▪ आश्विन कृष्ण - 5 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 61 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 23-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हम मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के साथ अपनी टीम बनाना चाहते हैं : रोहित

6 डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं आपके बच्चे?

7 कांग्रेस सरकार ऋण लेती है, सोनिया गांधी को दे देती है : कंगना रनौत

न्यूयॉर्क में हजारों भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

भारत आज अवसरों की भूमि : नरेन्द्र मोदी

न्यूयॉर्क/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने का बहुत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज अवसरों की भूमि है।

मोदी ने न्यूयॉर्क में हजारों भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए कहा, इस कठिन चुनाव प्रक्रिया, इस लंबी चुनाव व्यवस्था से गुजरने के बाद, भारत में (इस वर्ष) कुछ अभूतपूर्व हुआ। क्या हुआ...अबकीबार मोदी सरकार। उन्होंने कहा, 60 साल में पहली बार भारत के लोगों ने ऐसा जनादेश दिया है जिसका बहुत महत्व है। अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान मुझे बहुत महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने हैं। हमें तीन गुना ताकत के साथ आगे बढ़ना है।

मोदी ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन सुशासन और समृद्ध भारत के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि नियति उन्हें राजनीति में लेकर आई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में लोगों ने शासन के इस मॉडल को देखा है और इसलिए उन्हें तीसरी बार सत्ता में लाने के लिए वोट दिया है। प्रधानमंत्री 13,000 से ज़्यादा भारतीय अमेरिकियों से भरे नासाउ वेटरन्स कोलिजियम को संबोधित कर रहे थे।

'हमारा संदेश स्पष्ट है, क्वाड कायम रहेगा'

विलमिंगटन (अमेरिका)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) किसी के खिलाफ नहीं है बल्कि यह नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संप्रभुता के सम्मान के पक्ष में है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को शिखर सम्मेलन में कहा, ''स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी प्राथमिकता है।''

प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, ''हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम सभी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान करने के समर्थन में हैं।''

प्रधानमंत्री का परोक्ष रूप से इशारा चीन की ओर था। चीन का दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में कई देशों से विवाद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हमारा संदेश स्पष्ट है कि क्वाड कायम रहेगा, सहायता करेगा, साझेदारी करेगा और पूरक बनेगा।'' उन्होंने कहा, '' हमने मिलकर स्वास्थ्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक एवं समावेशी पहल की हैं।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

जम्मू-कश्मीर में किसी भी पत्थरबाज, आतंकवादी को रिहा नहीं किया जाएगा : अमित शाह

नौशेरा (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में किसी भी पत्थरबाज या आतंकवादी को रिहा नहीं किया जाएगा और जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं कर दिया जाता तब तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना के समर्थन में नौशेरा में आयोजित एक चुनावी रैली में अमित शाह ने जम्मू कश्मीर के युवाओं को ''शेर'' करार देते हुए कहा, ''मैं जम्मू-कश्मीर के युवाओं से बात करना चाहता हूं।''

शाह ने कहा, ''वे (नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन) पत्थरबाजों और आतंकवादियों को रिहा करना चाहते हैं (जैसा कि उन्होंने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि उनकी सरकार बनने पर इसे पूरा किया जाएगा)। फारूक अब्दुल्ला जम्मू की पहाड़ियों में आतंकवाद के फिर से पनपने की बात कर रहे हैं, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह मोदी सरकार है और हम आतंकवाद को पाताल में दफना देंगे। किसी भी आतंकवादी या पत्थरबाज को रिहा नहीं किया जाएगा।''

भाजपा नेता ने कहा कि नेकां और कांग्रेस पाकिस्तान के साथ बातचीत करने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''मैं फारूक अब्दुल्ला और राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता तब तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। मैं अपने शेरों (जम्मू-कश्मीर के युवाओं) से बात करूंगा, पाकिस्तान से नहीं।''

शाह ने सीमा पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा वर्षों में बनाए गए भूमिगत बंकरों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे ढांचों की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि सीमा पार से किसी के पास गोली चलाने की ताकत नहीं है।

हिज्बुल्ला ने इजराइल में 100 से अधिक रॉकेट दागे, युद्ध का खतरा बढ़ा

नाहरिया/एपी। हिज्बुल्ला ने उत्तरी इजराइल के बड़े क्षेत्र में शनिवार तड़के 100 से अधिक रॉकेट दागे, जिनमें से कुछ हाइफा शहर के पास गिरे। जवाब में इजराइल ने भी लेबनान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिससे दोनों पक्षों में महीने से जारी तनाव के पूर्ण युद्ध का रूप अख्तियार करने का खतरा बढ़ गया। हिज्बुल्ला के रॉकेट हमलों से उत्तरी इजराइल में हवाई आक्रमण के प्रति आगाह करने वाले सायरन बज उठे, जिसके बाद हजारों लोगों को बम रोधी शिविरों में शरण लेते हुए देखा गया। इजराइली सेना ने कहा कि रॉकेट रिहायशी इलाकों की तरफ दागे गए, जिससे दोनों पक्षों में टकराव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि पूर्व में अधिकतर हमले सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सीमा के पास इजराइल के हवाई हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव

मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को मिली जीत

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में रविवार को अभूतपूर्व दूसरे दौर की मतगणना के बाद निर्वाचन आयोग ने मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को विजेता घोषित किया।

मार्क्सवादी जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी के विस्तृत मोर्चे नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के उम्मीदवार 56 वर्षीय दिसानायके ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के साजिथ प्रेमदासा को हराया है।

निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे अधिकतम मत पाने वाले शीर्ष दो में शामिल होने में विफल रहने के बाद पहले दौर में ही बाहर हो गए। एनपीपी ने बताया कि दिसानायके सोमवार को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। वह श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति होंगे।

एक बयान में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति दिसानायके को संबोधित करते हुए 75 वर्षीय निवर्तमान राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा, ''राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके, मैं प्यारे श्रीलंका को आपकी देखभाल में सौंप रहा हूं।'' शनिवार को हुआ चुनाव 2022 में देश में आर्थिक संकट आने के मद्देनजर बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों के कारण गोटबाया राजपक्षे को सत्ता से हटाए जाने के बाद पहला चुनाव था।

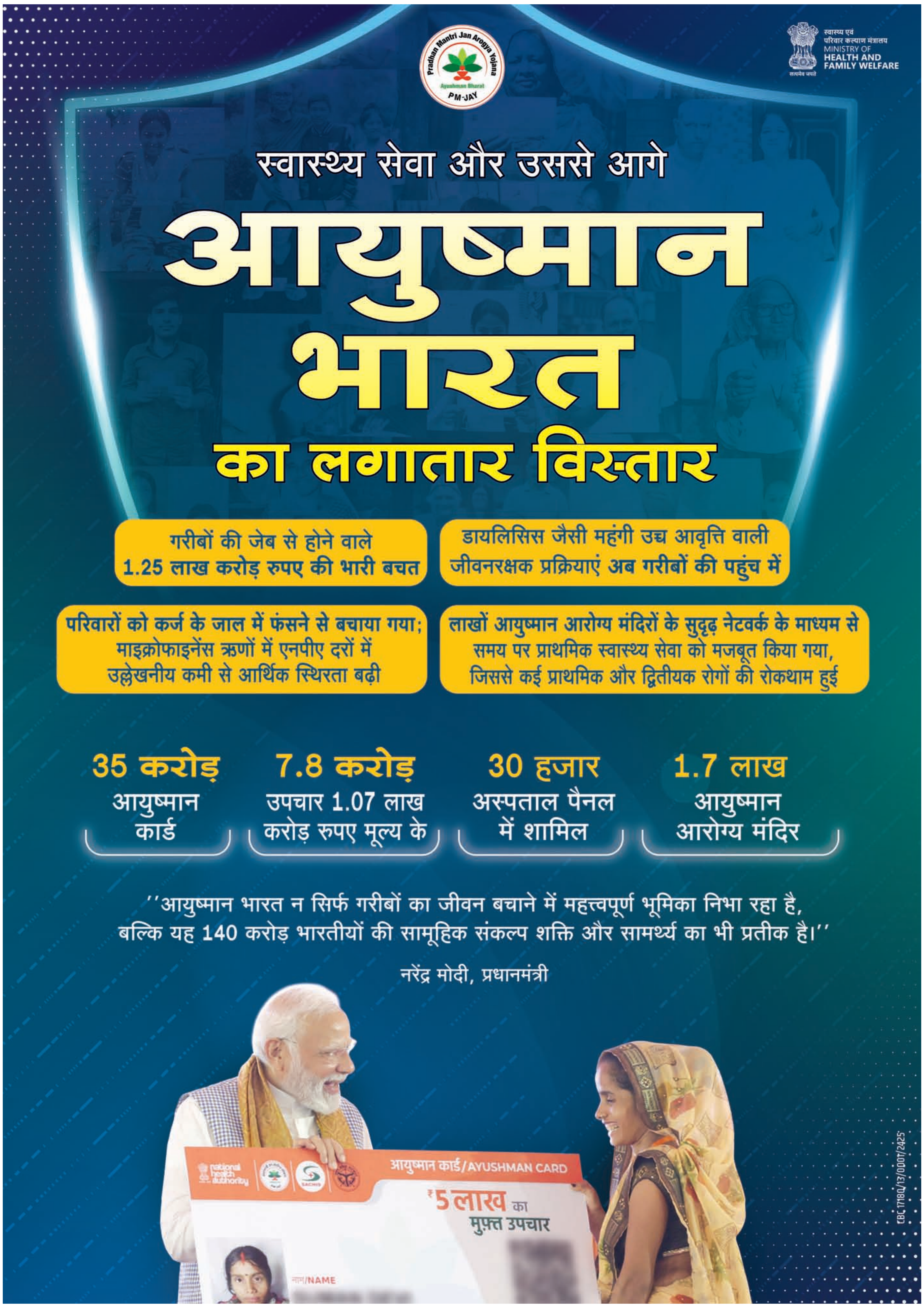

गांधीनगर तेरापंथ भवन में तेयुप ने आयोजित किया 'मंथन' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित 'मंथन: कल, आज और कल' कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ युवक परिषद्, बेंगलूरु द्वारा गांधीनगर भवन में कियाजिसमें परिषद के वर्तमान और भविष्य पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी श्री उदितयशा जी के मंगलाचरण से हुआ। वर्तमान अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता साध्वी श्री उदितयशाजी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि मंथन की प्रक्रिया तब ही प्रारंभ होगी जब हम तपेंगे और जमेंगे। व्यक्ति जब तपता है और जमता है, तब ही नवनीत (सार) प्राप्त होता है। मंथन का सार्थक और निरर्थक दोनों रूप हो सकते हैं, लेकिन हमें इस पर चिंतन करना होगा कि हमारी चर्चा अतीत का सही सिंहावलोकन कर रही है या नहीं, और क्या यह भविष्य के लिए ठोस दिशा निर्देश दे रही है। दूसरे सत्र में विनयबैद ने मंथन प्रक्रिया का संचालन किया जिसमें आठ टीमों ने स्थायी प्रकल्प, सदस्यता एवं सलंग्नता, नेतृत्व विकास में चुनौतियां, संगठन की पहचान और बॉन्डिंग, कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधार, संगठन की वित्तीय योजनाएं, सामाजिक जिम्मेदारी और नए सदस्य अनुभव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अध्यक्षों और मंत्रियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक मीठालाल, ललितकुमार, नरेंद्रकुमार मांडोत परिवार का सम्मान किया गया। संयोजक मुदित कोठारी के सक्षम नेतृत्व में मंच संचालन एवं आभार ज्ञापन वर्तमान मंत्री राकेश चौरडिया ने किया।.

अमर अवेंजर्स टीम बनी बैडमिंटन कप विजेता और फ्रैंड्स मैवेरिक टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम के अवन्त बाल मंडल और कन्या मंडल ने यशवंतपुर स्थित आरजी रॉयल स्पोर्ट्स क्लब में ऊसाकी बैडमिंटन कप का आयोजन किया जिसका मुख्य प्रायोजन मीठालाल दिलीप पटवा परिवार ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 48 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें 24 युवा और 24 युवतियों थीं।

खिलाड़ियों को 4 टीम में बांटा गया। इन टीमों के बीच कुल 54 लीग मैच खेले गए और 3 फाइनल मैच खेले गए। अमर अवेंजर्स टीम टूर्नामेंट की विजेता और फ्रैंड्स मैवेरिक टीम उप विजेता रही। टूर्नामेंट का संचालन बाल मंडल के भाविक गुगलिया एवं हर्षित कोठारी और कन्या मंडल की सिमरन खिंवेसरा एवं डॉली गुगलिया ने किया। मनोज गुगलिया और अमितकुमार कोठारी ने विशेष मार्गदर्शन किया।

महत्तम शिखर की बैठक में देश भर से पदाधिकारियों ने लिया हिस्सा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के अंतर्गत महत्तम शिखर चिंतन बैठक का दो दिवसीय आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र गांधी की अध्यक्षता में आचार्य तुलसी चेतना केन्द्र में अनेक धार्मिक, सामाजिक, मानवसेवा महत्तम शिखर के 9 प्रकल्पों के साथ सम्पन्न हुई, जिसमें देशभर के पदाधिकारी उपस्थित हुए। यह बैठक आचार्यश्री रामेश के 50स्वर्ण दीक्षा स्वर्ण जयंती वर्ष महोत्सव के अंतर्गत आयोजित की गई। इस बैठम कें राज्यसभा सदस्य लहरसिंह सिरोया ने कहा कि साधुमार्गी जैन संघ अनेक कल्याणकारी कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है जो कि हर्ष का विषय है। उन्होंने संघ के छगनलाल मुथा व सोहनलाल सिपानी के योगदान को याद करते हुए महिला और युवा वर्ग की उपस्थिति पर खुशी जताई।

इस मौके पर मोटिवेशनल स्पीकर दीपक शिंदे ने कहा कि जीवन में ईमानदारी एवं सच्चाई को हमेशा धारण करना चाहिए। बिना पद के लालसा के निस्वार्थ भावना से समाज के कार्य करना चाहिए। राष्ट्रीय संयोजक किशोर कर्नावट ने दो साल के कार्यों का ब्यौरा देते हुए महत्तम शिखर के अगामी 50 दिवस के कार्यकमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र गांधी ने आचार्य श्री रामेश के 50वें दीक्षा महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर शांतिलाल सांड, कमल सिपानी, विमल सिपानी,पंकज शाह, राजेश बच्छावत, युवा अध्यक्ष सुमित बम्ब सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

यह चुनाव जम्मू-कश्मीर की स्थिरता और भारत को मजबूत करने के लिए : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव न केवल क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए बल्कि पूरे भारत की स्थिरता के लिए अहम है। भाजपा अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और जनहितैषी शासन देकर भारत के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है।

जम्मू शहर में रविवार शाम को आयोजित रोड शो में नड्डा ने कहा, ''यह सिर्फ भाजपा या किसी अन्य पार्टी के लिए चुनाव नहीं है। यह जम्मू-कश्मीर की स्थिरता और भारत को मजबूत बनाने के लिए चुनाव है। यह विधायक बनाने का चुनाव नहीं है। यह आशीर्वाद देने का चुनाव नहीं है। यह जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्यधारा में लाएगा, यह जम्मू-कश्मीर को स्थिरता देगा।''

जम्मू पूर्व में भाजपा प्रत्याशी युद्धवीर सेठी के समर्थन में प्रचार करने आए नड्डा ने कहा,''यह राष्ट्रवादी ताकतों और विघटनकारी ताकतों के बीच का चुनाव है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे भरोसा है कि राष्ट्रवादी ताकतें जीतेंगी और विघटनकारी और विभाजनकारी ताकतों को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। यह चुनाव न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि पूरे देश की स्थिरता सुनिश्चित करेगा।''

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर के साथ दशकों से चले आ रहे अन्याय को खत्म करने और इसे विकास की राष्ट्रीय मुख्यधारा में लाने का भी चुनाव है।

भाजपा अध्यक्ष ने यहां बुद्धिजीवियों की बैठक को भी संबोधित किया। उन्होंने लोकतंत्र में लोगों के उत्साह की सराहना की क्योंकि चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, ''चुनाव के पहले चरण में बिना किसी भय के 60 प्रतिशत मतदान हुआ। वहां पहले आठ प्रतिशत मतदान होता था और सेना उन्हें (सुरक्षा वाले लोगों को) मतदान के लिए ले जाती थी, वहां यह आंकड़ा साठ फीसदी था। इस बार लोग कितने उत्साह से मतदान कर रहे हैं, हमें उम्मीद है कि यह अन्य चरणों में अधिक होगा।''

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को फलता-फूलता देख पाकिस्तान को दर्द हो रहा है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुंछ (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में भारी संख्या में हिस्सा लेने के लिए लोगों की रविवार को सराहना की और कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र को फलते-फूलते देख पाकिस्तान के ''पेट में दर्द'' हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिंह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर अपने घोषणापत्रों में संविधान के अनुच्छेद 370 की बहाली की बात करके लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन दलों को ''पाकिस्तान के प्रॉक्सी'' के रूप में काम करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 61 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ जो 30 वर्षों में सर्वाधिक है और लोकसभा चुनाव में हुए 58 प्रतिशत के रिकॉर्ड मतदान को भी पीछे छोड़ दिया। दुनिया में यह संदेश गया है कि अनुच्छेद 370 को भारत की बेहतरी के लिए हटाया गया।'' सिंह ने यहां भाजपा उम्मीदवार चौधरी अब्दुल गनी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''लोगों ने लोकतंत्र का झंडा इतना ऊंचा उठा दिया है कि पाकिस्तान के पेट में दर्द हो रहा है। हम पाक के साथ दुश्मनी नहीं चाहते, क्योंकि हम सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। पाकिस्तान अपनी घरेलू समस्याओं से अपने लोगों का ध्यान हटाने के लिए भारत के खिलाफ नापाक हरकतें करता रहता है।'' पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान का हवाला देते सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश को जम्मू-कश्मीर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार किसने दिया है।

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया है : खरगे

जम्मू/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई।

खरगे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए कांग्रेस की सात गारंटी का उद्देश्य क्षेत्र के लिए एक उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत करना है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया है। हमारा प्रगतिशील विकास एजेंडा सभी के लिए है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए पार्टी की सात गारंटी का उल्लेख करते हुए कहा, ''ये गारंटी सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करके एक उज्ज्वल भविष्य लाएंगी।'' पार्टी की पहली गारंटी के तहत केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया गया है।

भारत में निवेश का इरादा रखने वाले विदेशी निवेशकों के लिए विदेश में कार्यालय खोलने की योजना: गोयल

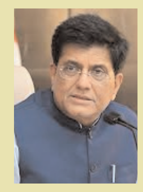

सिंगापुर/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत में निवेश करने का इरादा रखने वाले विदेशी निवेशकों की मदद के लिए आने वाले महीनों में विभिन्न देशों में कार्यालय खोलने की योजना है। उन्होंने देश में निवेश को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय एजेंसी - 'इन्वेस्ट इंडिया' के ऐसे पहले कार्यालय का उद्घाटन सिंगापुर में किया। यह कार्यालय निवेश करने की इच्छुक यहां की कंपनियों के लिए एक विशेष संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा। यह कदम निवेश साझेदारी को मजबूत करने और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत के साथ जुड़ाव को आसान बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''सिंगापुर कार्यालय भारत में निवेश करने की इच्छुक क्षेत्र की कंपनियों के लिए एक विशेष संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।''

सरकार याट पर्यटन, व्यक्तिगत नौकायन को बढ़ावा देने की योजना पर कर रही है काम : सोनोवाल

नई दिल्ली/भाषा। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि सरकार भारत में याट पर्यटन और व्यक्तिगत नौकायन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रही है। याट ऐसी बड़ी नौका को कहते हैं, जिसमें सभी सुख-सुविधाएं होती हैं। आमतौर पर इनका इस्तेमाल रेसिंग और पर्यटन के लिए किया जाता है। भारत की तटरेखा 7,500 किलोमीटर लंबी है और यहां अंतरराष्ट्रीय मानक वाला एक भी मरीना नहीं है। मरीना एक डॉक होता है, जिसका इस्तेमाल 'सेलबोट' और याट को खड़ा करने के लिए किया जाता है। सोनोवाल ने कहा, क्रूज पर्यटन के साथ-साथ हम भारत में याट पर्यटन के लिए माहौल विकसित करके एक नया आयाम जोड़ने जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि भारत इतना बड़ा देश है लेकिन 'हमारे पास कोई जगह (अंतरराष्ट्रीय स्तर की मरीना) नहीं है जहां याट पार्क किए जा सकें।' सोनोवाल ने बताया कि क्रोएशिया जैसे छोटे देश में 15,000 याट को खड़ा करने की जगह है।

ईवी चार्जिंग सुगमता के लिए साझा मंच की आवश्यकता : मर्सिडीज

नई दिल्ली/भाषा। लग्जरी कार विनिर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मालिकों के लिए विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा संचालित सभी उपलब्ध चार्जिंग स्टेशनों के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए एक साझा मंच बनाने की वकालत की है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने बताया कि यह साझा ऐप ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा देश में ईवी स्वीकार्यता में बढ़ावा देगा।

पीटीआई-भाषा से बातचीत में अय्यर ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे को सुगम बनाने की जरूरत है। अय्यर ने कहा, आज अगर आप इलेक्ट्रिक कार खरीदते हैं, तो आपको अपने फोन पर तीन-चार अलग-अलग ऐप की जरूरत होती है। हम सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि वह यूपीआई आधारित प्रणाली जैसी कोई चीज लेकर आए। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी में अग्रणी है, लेकिन जब चार्जिंग की बात आती है, तो अभी भी कई ऐप हैं। अय्यर ने कहा, वे (ऐप) एक-दूसरे से जुड़े नहीं हैं...भुगतान गेटवे एकीकृत नहीं हैं...अगर इसे हल किया जा सकता है तो ईवी की सुविधा अगले स्तर पर होगी। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जर्मनी और दुनिया के कई हिस्सों में मर्सिडीज के ग्राहक एक ऐप से चार्जिंग सहित विभिन्न सेवाओं के लिए भुगतान करने में सक्षम हैं। अय्यर ने कहा, लेकिन भारत में हम इसे पूरी तरह से लागू नहीं कर पा रहे हैं।

अजित पवार नीत राकांपा को भी दिया जाए नया चुनाव चिह्न : शरद पवार गुट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के साथ समान व्यवहार करने और उनकी पार्टी की ही तरह अजित पवार नीत प्रतिद्वंद्वी गुट को भी नया चुनाव चिह्न देने का अनुरोध किया। लोकसभा सदस्य सुले ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने उच्चतम न्यायालय से नैसर्गिक न्याय की मांग की है।

राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने यह कदम उठाया है। महाराष्ट्र में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। अजित पवार जुलाई 2023 में कई अन्य विधायकों के साथ शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए, जिस वजह से उनके चाचा शरद पवार की राकांपा दो गुटों में बंट गयी थी। शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा का विभाजन से पहले चुनाव चिह्न 'घड़ी' था। निर्वाचन आयोग ने इस साल फरवरी में अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह को राकांपा का नाम और 'घड़ी' चिह्न आवंटित किया। शीर्ष अदालत ने 19 मार्च को शरद पवार नीत गुट को लोकसभा चुनावों से पहले अपने नाम के रूप में 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार' और चुनाव चिह्न 'तुरहा बजाता हुआ आदमी' का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

उच्चतम न्यायालय ने अजित पवार गुट को निर्वाचन आयोग द्वारा आवंटित चुनाव चिह्न 'घड़ी' के इस्तेमाल पर रोक लगाने का निर्देश देने वाली शरद पवार नीत गुट की याचिका पर यह आदेश दिया था। शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया और राकांपा के दोनों गुटों को नये चुनाव चिह्न देने का अनुरोध किया।

केजरीवाल ने नई राजनीतिक रणनीति के तहत मोदी पर साधा निशाना, आरएसएस प्रमुख से पूछे सवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक नई राजनीतिक रणनीति के तहत रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों के लिए आरएसएस से जवाब मांगा। केजरीवाल ने यह कहकर मोदी का कद कम दिखाने की कोशिश की कि आरएसएस ही मुखिया है और उसे अपने बच्चों को नियंत्रण में रखना चाहिए। केजरीवाल ने एक रैली में कहा, क्या बेटा अब इतना बड़ा हो गया है कि वह अपनी मां को आंख दिखा रहा है? इस रैली में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल किए। उन्होंने जो सवाल पूछे वे राजनीतिक रूप से भले ही सामान्य प्रतीत होते हों, लेकिन भागवत का जिक्र करना नई और असामान्य बात है। केजरीवाल ने पूछा कि क्या आरएसएस केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर राजनीतिक दलों को तोड़ने, विपक्षी दलों की सरकारें गिराने और भ्रष्ट नेताओं को अपने पाले में करने की भाजपा की राजनीति से सहमत है?

सूरत में जाली नोट बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, चार लोग गिरफ्तार

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत शहर में जाली नोट बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ कर इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह फैक्टरी कपड़ों की ऑनलाइन बिक्री करने वाले एक स्टोर के कार्यालय में चल रही थी। पुलिस उपायुक्त राजदीप नकुम ने कहा कि आरोपी कथित तौर पर वेब सीरीज 'फर्जी' से प्रेरित थे। वेब सीरीज 'फर्जी' में एक छोटे-मोटे ठग को दिखाया गया है, जो नकली नोट बनाकर अमीर बन जाता है।

रेलवे त्योहारों के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वालों पर कसेगा शिकंजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने त्योहारों के दौरान पुलिसकर्मियों सहित बिना टिकट यात्रियों पर नजर रखने के लिए एक विशेष टिकट जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रेल मंत्रालय ने 20 सितंबर को 17 जोन के महाप्रबंधकों को लिखे पत्र में बिना टिकट और अनधिकृत यात्रियों के खिलाफ ''एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर और 25 अक्टूबर से 10 नवंबर की अवधि'' के बीच विशेष अभियान शुरू करने और 1989 के रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत उचित कार्रवाई करने को कहा है। विभिन्न रेल मंडलों में चल रहे नियमित अभियान का हिस्सा रहे रेलवे के वाणिज्यिक अधिकारियों के मुताबिक त्योहारों के दौरान भीड़ होती है और उस समय आम लोगों के साथ-साथ पुलिसकर्मी भी उनके निशाने पर होंगे क्योंकि वे शीर्ष उल्लंघनकर्ताओं में से हैं। एक अधिकारी ने बताया,

''गाजियाबाद और कानपुर के बीच हमारे हालिया औचक निरीक्षण में, हमने सैकड़ों पुलिसकर्मियों को विभिन्न एक्सप्रेस और मेल ट्रेन के वातानुकूलित डिब्बों में बिना टिकट यात्रा करते हुए पाया। जब हमने उन पर जुर्माना लगाया, तो शुरू में उन्होंने भुगतान करने से इनकार कर दिया और हमें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।'' उन्होंने कहा, ''हम निडर रहे और उनसे भुगतान कराया। यात्रियों की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक थी क्योंकि वे पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई देखकर खुश और हतप्रभ थे।'' उत्तर मध्य रेलवे जोन के टिकट निरीक्षकों ने बताया कि वे पुलिसकर्मियों और अन्य अनधिकृत यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं क्योंकि वे वैध टिकट वाले यात्रियों के लिए परेशानी पैदा करते हैं। हाल के दिनों में बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए पुलिसकर्मियों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर प्रयागराज मंडल के एक रेलवे प्रवक्ता ने बताया, ''हम पुलिसकर्मियों के लिए अलग से आंकड़े नहीं रखते हैं। लेकिन पिछले तीन महीनों में यानी जून, जुलाई और अगस्त में बिना टिकट यात्रा करने पर उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) क्षेत्र के अंतर्गत केवल प्रयागराज मंडल में 1,17,633 यात्रियों को अनधिकृत रूप से यात्रा करते हुए पकड़ा गया पर उनपर 9,14,58,171 रुपए का जुर्माना लगाया गया।'' ट्रेन टिकट परीक्षकों का भी मानना है कि पुलिसकर्मी सबसे अधिक समस्या उत्पन्न करते हैं क्योंकि वे न केवल बिना टिकट यात्रा करके कानून तोड़ते हैं, बल्कि वैध यात्रियों को जबरन अपनी सीट साझा करने के लिए मजबूर करते हैं और कार्रवाई पर रेलवे कर्मचारियों के साथ झड़प करते हैं। भारतीय रेलवे टिकट जांच कर्मी संगठन (आईआरटीसीईएसओ) के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, ''बिना टिकट पुलिसकर्मियों के साथ व्यवहार करना एक वास्तविक दुःस्वप्न है क्योंकि वे न केवल हमारे साथ दुर्व्यवहार करते हैं बल्कि हमें परेशान करने के लिए अक्सर फर्जी मामले दर्ज करने की धमकी देते हैं।''

केरल में कांग्रेस, भाकपा ने त्रिशूर पूरम उत्सव में व्यवधान को लेकर एडीजीपी रिपोर्ट की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। विपक्षी दल कांग्रेस और सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सहयोगी भाकपा ने रविवार को एडीजीपी एम. आर. अजित कुमार द्वारा दायर उस कथित रिपोर्ट की आलोचना की जिसमें दावा किया गया है कि प्रतिष्ठित त्रिशूर पूरम 2024 उत्सव में व्यवधान डालने में कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), कानून-व्यवस्था अजित कुमार ने त्योहार में व्यवधान को लेकर जांच रिपोर्ट सौंपी है। कुमार पर पहले सत्तारूढ़ वाम समर्थित विधायक पी.वी. अनवर ने पूरम उत्सव को बाधित करने के लिए साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया था। बीती 19 मई को आयोजित त्रिशूर पूरम में व्यवधान उत्पन्न किया गया और सरकार ने तत्कालीन नगर पुलिस आयुक्त तथा सहायक आयुक्त के विरुद्ध कार्रवाई की थी।

मुख्यमंत्री ने राज्य के पुलिस प्रमुख को पूरम में व्यवधान के संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। ऐसा बताया जा रहा है कि एडीजीपी ने डीजीपी के समक्ष सीलबंद लिफाफे में जांच रिपोर्ट पेश की। खबरों के अनुसार अजित कुमार ने रिपोर्ट दायर की थी, जिसमें कथित तौर पर कहा गया है कि इसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं था। कांग्रेस ने इस कथित रिपोर्ट की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पूरम को बाधित करने के लिए साजिशकर्ता ने स्वयं ही इस संबंध में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की है। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने कहा कि यह रिपोर्ट एक दिखावा है।

सतीशन ने एक बयान में कहा, पूरम में व्यवधान डालने के आरोपी एडीजीपी ने रिपोर्ट दाखिल कर दी है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी से एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। लेकिन चार महीने हो गए हैं और ऐसी खबरें आ रही हैं कि कोई जांच नहीं हो रही है। अब आरोपी ने जांच रिपोर्ट पेश की है और यह एक दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूरम में व्यवधान डालने के लिए हुई साजिश को छिपाने की कोशिश कर रही है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री वी एस सुनील कुमार ने कहा कि बाहरी हस्तक्षेप के कारण पूरम में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

कुमार ने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि त्रिशूर पूरम में व्यवधान बाहरी हस्तक्षेप के कारण हुआ और इसके पीछे कोई साजिश थी। मुझे नहीं पता कि रिपोर्ट में क्या कहा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि उनकी पार्टी अजित कुमार की रिपोर्ट पर भरोसा नहीं करती है।

उन्होंने कहा, हम अजित कुमार की रिपोर्ट को स्वीकार नहीं कर सकते। इसलिए हम इस मामले की न्यायिक जांच की मांग पर अड़े हुए हैं। हाल में एक आरटीआई के जवाब में दावा किया गया था कि त्रिशूर पूरम में व्यवधान की कोई जांच नहीं की गई। हालांकि, आरटीआई का जवाब देने वाले संबंधित अधिकारी को बाद में जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया था और मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया था कि गलत जानकारी देने के लिए कार्रवाई की गई थी। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को कहा था कि 24 सितंबर तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

सीतारमण ने मछुआरों से कहा

वित्त मंत्रालय की सेवाओं से लाभ लेकर व्यापार को बढ़ाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को मछुआरों से किसान क्रेडिट कार्ड के जरिये दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया और कहा कि इससे उनके व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

सीतारमण ने यहां भाजपा सदस्यता अभियान में कहा कि जिन मछुआरों के आवेदन बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने खारिज कर दिए हैं, वे समाधान के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मछली पालन से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए एक अलग विभाग स्थापित किया है।

वित्त मंत्री ने कहा, ''मछुआरों के कल्याण के लिए बहुत सारी योजनाएं हैं और वे अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सावधि ऋण सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।'' सीतारमण ने किसानों के लिए विशेष रूप से किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किए जाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया कि भारत के तटीय क्षेत्र में पारंपरिक रूप से समुद्री खेती में लगे लोगों की भलाई के लिए व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि समुदाय की महिलाएं भी किसान क्रेडिट कार्ड बनवाकर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से सावधि ऋण ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि केसीसी के तहत ऋण लेने पर सरकार आपकी ओर से गारंटी देगी और कर्ज लेने वालों को कुछ गिरवी नहीं रखना होगा।

माकपा ने विधायक अनवर के पार्टी, सरकार के खिलाफ आरोपों को लेकर अप्रसन्नता जतायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने रविवार को वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के निर्दलीय विधायक पी.वी. अनवर द्वारा मीडिया के माध्यम से पार्टी और सरकार के खिलाफ लगातार आरोप लगाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि ये (आरोप) पार्टी के शत्रुओं के लिए हथियार बन गए हैं। माकपा ने अनवर से कहा कि वह ऐसी हरकतों से दूर रहें। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा अनवर के आरोपों पर प्रतिक्रिया दिए जाने के बाद भी अनवर द्वारा हमले तेज करने तथा नरमी नहीं बरतने के एक दिन बाद, माकपा के राज्य सचिवालय ने कहा कि वह नीलांबुर विधायक के रुख से सहमत नहीं है।

माकपा ने कहा कि विधानसभा और नीलांबुर निर्वाचन क्षेत्र में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के एक निर्दलीय विधायक के रूप में कार्य कर रहे अनवर ने मुख्यमंत्री को कुछ मुद्दों से संबंधित लिखित आरोप सौंपे हैं, जिसकी एक प्रति पार्टी के प्रदेश सचिव को भी दी गई है। बयान में कहा गया है कि शिकायत में उल्लिखित मामले सरकार द्वारा जांच के अधीन हैं और ये ऐसे मुद्दे हैं जिन पर पार्टी को विचार करने की आवश्यकता है। माकपा ने कहा, ''इन तथ्यों के बीच वह लगातार मीडिया के माध्यम से सरकार और पार्टी पर आरोप लगा रहे हैं। पार्टी अनवर के इस रुख से सहमत नहीं है। उन्होंने जो रुख अपनाया है, वह पार्टी के दुश्मनों के लिए सरकार और पार्टी दोनों पर हमला करने का हथियार बन गया है।''

पार्टी ने माकपा संसदीय दल के सदस्य अनवर से आग्रह किया कि वे ऐसे रुख पर पुनर्विचार करें और पार्टी को कमजोर करने के दृष्टिकोण से दूर रहें। अनवर ने इस नये घटनाक्रम पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। शनिवार को विजयन द्वारा अपने राजनीतिक सचिव का बचाव करने के बाद अनवर ने दावा किया था कि शशि ने सोने की तस्करी सहित विभिन्न प्रशासनिक मामलों पर मुख्यमंत्री को गुमराह किया है। विधायक ने संदेह जताया था कि शशि सोने के तस्करों से रिश्वत ले रहे हैं।

इससे पहले शनिवार को विजयन ने कहा था कि शशि माकपा की प्रदेश समिति के सदस्य हैं और पार्टी के निर्देशानुसार उनके राजनीतिक सचिव के रूप में अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। शाम को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एडीजीपी (कानून व्यवस्था) पर गंभीर आरोप लगाने वाले अनवर ने कहा कि वे पुलिस बल के भीतर उपद्रवी तत्वों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

विजयन ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने के लिए भी अनवर पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि वाम समर्थित विधायक को मीडिया में जाने से पहले पार्टी या मुख्यमंत्री से संपर्क करना चाहिए था। इस बीच, कांग्रेस ने रविवार को इस मुद्दे पर माकपा और मुख्यमंत्री के खिलाफ अपना हमला तेज कर दिया। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने आरोप लगाया, सत्तारूढ़ पार्टी के एक विधायक लगातार मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रेस वार्ता कर रहे हैं। हो सकता है कि वे डर के कारण कार्रवाई नहीं कर रहे हों।

राहुल ने लोगों से वायनाड जाने और वहां पर्यटन उद्योग को पुनः पटरी पर लाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वायनाड। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को लोगों से वायनाड जाने और इसकी सुंदरता का अनुभव करने का आग्रह किया ताकि हाल में भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग पुन: पटरी पर आ सके। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे वायनाड घूमने जाएं, जिससे वहां आजीविका के अवसर बढ़ सकें और इसकी जीवंतता को बहाल किया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि हाल की भूस्खलन त्रासदी से केवल मुंडक्कई क्षेत्र ही प्रभावित हुआ है, लेकिन इससे यह गलत धारणा बन गई है कि पूरा वायनाड प्रभावित हुआ है, जिसके कारण पर्यटन में भारी गिरावट आई है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, वायनाड बेहद खूबसूरत है, और इसके लोगों की करुणा व दयालुता ने हमेशा मुझे वहां खींचा है। आज, बहुत से लोग जो अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं, वे मदद के लिए आप सभी की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि वायनाड अभी भी जीवंत और मेजबानी करने वाला क्षेत्र है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इसकी खूबसूरती का अनुभव करें और पर्यटन को पुनर्जीवित व आजीविका के अवसर बहाल करने में मदद करें।

इस महीने की शुरुआत में गांधी ने कहा था कि वायनाड में पर्यटन को पुन: पटरी पर लाने के लिए ठोस प्रयास करना जरूरी है और लोगों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि हाल में हुए भूस्खलन के बाद ये धारणा दूर हो सके कि यह ''एक खतरनाक'' स्थान है।

लेबनान पेजर धमाके : पुलिस ने केरलवासी की पृष्ठभूमि का सत्यापन किया, भाजपा नेता ने की सुरक्षा की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। लेबनान में हुए हालिया पेजर धमाकों की जांच के दौरान नॉर्वे में रहने वाले केरल के मूल निवासी रिंसन जोस का नाम सामने आने संबंधी खबरों के बीच राज्य की पुलिस ने रविवार को उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की पड़ताल करने की पुष्टि की जबकि भाजपा के एक नेता ने उसे ''देश का बेटा'' बताते हुए ''सुरक्षा' देने की मांग की। पुलिस के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' से कहा, कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही जांच शुरू की गई है। हमारी विशेष शाखा के अधिकारियों ने पृष्ठभूमि की पड़ताल की है। इसमें कुछ भी नया नहीं है; ऐसी जांच तब की जाती है जब ऐसी खबरें सामने आती हैं। पुलिस के एक और अधिकारी ने कहा कि खबरें सामने आने के बाद, मनंतवाड़ी के निकट एक इलाके में 'एहतियाती गश्त' शुरू की गई है, जहां उसका परिवार रहता है। उन्होंने कहा कि उसके परिवार ने पुलिस से सुरक्षा की मांग नहीं की है।

एक दशक पहले नौकरी के लिए विदेश गया रिंसन अब नॉर्वे का नागरिक है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता संदीप जी. वारियर ने रिंसन के परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। भाजपा की राज्य समिति के सदस्य वारियर ने कहा, वह हमारे देश का बेटा है। वह मलयाली है। हमें हर कीमत पर रिंसन और उसके परिवार को सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए।

रिंसन के एक रिश्तेदार थंकाचन ने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में मीडिया से पता चला। थंकाचन ने कहा, वह यहीं वायनाड में पला-बढ़ा और यहां केरल के अलावा बाहर भी पढ़ाई की। एमबीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह 10 साल पहले भारत से चला गया था। एक कंपनी में काम करने से पहले वह विदेश में पढ़ाई कर रहा था। जहां तक हमें पता है, वह फिलहाल नॉर्वे में एक कंपनी में काम कर रहा है। रिंसन पिछले साल नवंबर में केरल आया था और जनवरी में वापस चला गया था।

थंकाचन ने मीडिया से कहा, हमें नहीं पता कि वह नॉर्वे में अपना खुद का व्यवसाय करता है या नहीं। उसकी पत्नी भी नॉर्वे में काम करती है। उन्होंने कहा कि रिंसन ने खबरें आने से दो या तीन दिन पहले उन्हें फोन किया था। थंकाचन ने कहा, हमें 100 प्रतिशत यकीन है कि वह कोई गलत काम नहीं करेगा। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि वह परिवार को परेशान न करे।

पेजर धमाकों के सिलसिले में नॉर्वे के अधिकारियों द्वारा एक फर्जी कंपनी की जांच किए जाने से संबंधित खबरों के बारे में पूछे जाने पर थंकाचन ने जवाब दिया, माफ कीजिए, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। रिंसन के परिवार के एक पड़ोसी ने कहा, रिंसन या उसके परिवार में कोई बुराई नहीं है। हमारी नजर में वे बेदाग हैं।

तिरुनेलवेली में भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में पश्चिमी घाट से सटे इलाकों में रविवार को भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 55 मिनट पर कल्लिदाईकुरिची, मणिमुथर, अंबासमुद्रम और पापनासम जैसे इलाकों में करीब तीन सेकंड तक भूकंप का झटका महसूस किया गया। उन्होंने बताया कि इसमें जान-माल के किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है।

आईसीसीपी नीतिगत चुनौतियों का अनुसंधान आधारित हल ढूंढ़ने में मदद करेगा

बेंगलूरु। 'क्रेस कॉर्प लिमिटेड' के संस्थापक अध्यक्ष अजीत इसाक ने कहा कि अशोक विवि में 'इसाक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी' के शुरु होने से ना केवल सार्वजनिक नीति कार्यक्रम पेश करना संभव होगा, बल्कि उन्नत अंतरविषयी अनुसंधान करना भी संभव होगा। इसाक और उनकी पत्नी सारा इसाक द्वारा स्थापित इस परोपकारी संगठन की स्थापना अजीत इसाक फाउंडेशन के अनुदान से की गई है। इसाक ने कहा, आईसीसीपी का उद्देश्य एक शोध वातावरण तैयार करना है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ आर्थिक विकास, श्रम और रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, लैंगिक और राजकोषीय नीति आदि जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और जटिल नीतिगत चुनौतियों के लिए मापनीय हल ढूंढ़ने में मदद करेंगे। केंद्र का औपचारिक शुभारंभ 21 सितंबर को बेंगलूरु में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन द्वारा किया गया। अनंता ने मुख्य भाषण में नीति निर्माण और कार्यान्वयन से जुड़े अनुसंधान अंतराल की पहचान करने और उन्हें दूर करने के लिए ऐसे संस्थानों की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने अर्कावती नक्शा भूमि अधिसूचना रद्द करने पर केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट मांगी

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य सरकार से शहर के अर्कावती नक्शे में 541 एकड़ भूमि की कथित अवैध अधिसूचना रद्द करने के संबंध में केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट मांगी है। राजभवन के एक सूत्र ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, राज्यपाल ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार की ओर से अभी तक हमें कुछ नहीं मिला है।

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच.एस. केम्पन्ना की अध्यक्षता में आयोग का गठन 2014 में सिद्दरामय्या के पहले कार्यकाल के दौरान किया गया था, जब वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री थे।

इसका उद्देश्य लोगों की शिकायत के बाद उत्तरी बेंगलूरु में नक्शा बनाने के लिए बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा अधिग्रहित भूमि की अधिसूचना रद्द करने में अवैधताओं की जांच करना था।

विशेषज्ञ रिपोर्ट के आधार पर गेटों का रखरखाव : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि गेटों का रखरखाव विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने रविवार को कोप्पल में गिनिगेरा एयर स्ट्रिप पर मीडिया से बात की। क्रस्ट गेटों की समय-समय पर मरम्मत के बारे में मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर 50 साल में गेट बदले जाने चाहिए। ये गेट पिछले 70 वर्षों से भी अधिक समय से अच्छा काम कर रहे हैं। अच्छे रख-रखाव के कारण यह 70 वर्षों तक काम करता रहा। उन्होंने कहा कि एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है और एक रिपोर्ट सौंपनी है।

तुंगभद्रा जलाशय फिर से भर गया है अभी बांध में 101.77 टीएमसी पानी उपलब्ध है। वसंत और पतझड़ की बुआई के लिए पानी उपलब्ध होगा।

जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार, शिवराज थंगदागी और जमीर अहमद खान ने धुले हुए 19वें क्रस्ट गेट की मरम्मत के लिए कार्रवाई की। विशेषज्ञ कन्नैया नायडू, जिंदल, नारायण इंजीनियरिंग और इंजीनियरों के नेतृत्व में, अधिकारियों ने गेट को जल्द से जल्द स्थापित करने के लिए दिन-रात काम किया। यह सुनिश्चित किया गया कि किसानों को कोई परेशानी न हो। 20 टीएमसी से ज्यादा पानी बचा हुआ है। किसानों की यह चिंता दूर हो गई है कि उन्हें अपनी फसल के लिए पानी मिलेगा या नहीं। पतझड़ की फसल में कोई दिक्कत नहीं है। दूसरी फसल के लिए पानी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 101 टीएमसी पानी उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल ने अर्कावती लेआउट को लेकर सरकार को पत्र लिखा है तो सरकार इस पर ध्यान देगी। उन्होंने राज्यपाल के मुख्य सचिव को लिखे पत्र के लीक होने की बात कहते हुए कहा कि हो सकता है कि यह लीक राज्यपाल के कार्यालय से हुआ हो। उन्होंने कहा, ''इसकी जांच होने दीजिए।'' उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्होंने अखबार में पढ़ा था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीडीए को इसे दोबारा करने को कहा। कोप्पल जिला नगर परिषद में 8.5 करोड़ के काम लंबित कलबुर्गी में हुई कैबिनेट बैठक में 56 में से 46 मुद्दे हैदराबाद कर्नाटक से जुड़े थे। उन्होंने कहा, ''इसमें कुछ फैसले लिये गये हैं।''

मागड़ी में कई विधायकों और किसानों ने गाय पालने की ऊंची लागत के कारण दूध की कीमत बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर दूध के दाम बढ़ाने का फैसला किया जाता है तो किसानों को इसका पूरा दाम दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर दूध की कीमत बढ़ाई जाती है तो इसका पूरा फायदा किसानों को दिया जाना चाहिए।

विधायक मुनिरत्ना के उस बयान के बारे में बात करते हुए कि सरकार ने उन्हें उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है और वह मेरे करीबी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर रही है, उन्होंने कहा, 'हम किसी के खिलाफ नफरत की राजनीति नहीं करेंगे। हमने कभी किसी को अपराध करने के लिए नहीं कहा। विधायकों ने मुझसे मुलाकात कर एसआईटी बनाने को कहा। उनके खिलाफ तीन मामले दर्ज किये गये हैं। उन्होंने कहा कि गलती करेंगे तो एफआईआर करा देंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमने किसी को परेशान नहीं किया है और मामला दर्ज नहीं कराया है और यह आरोप गलत है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने तुंगभद्रा बांध को बगीना अर्पित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 13 अगस्त को बांध का दौरा किया था और देखा था कि बांध का 19वां गेट बह गया है और भारी मात्रा में पानी बह गया है। तुंगभद्रा बांध फिर भरेगा। उन्होंने 13 अगस्त को कहा था कि वह आएंगे और मन्नत मांगेंगे। पूरे प्रदेश में आज जश्न का वह क्षण देखा गया जब मुख्यमंत्री की बातें और इच्छाएं पूरी हुईं।

रविवार को तुंगभद्रा बांध भर जाने पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने पूजा कर बगीना अर्पित किया। इस मौके पर जल संसाधन मंत्री उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, विजयनगर जिले के प्रभारी मंत्री जमीर अहमद, कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज थंगादगी, मंत्री बोस राज, शरणप्रकाश पाटिल, कोप्पल के सांसद राजशेखर हितनाल, बेल्लारी के सांसद ई. तुकाराम और दोनों जिलों के विधायक, जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्षमा से होती है आत्मा की शुद्धि : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गलती होना स्वाभाविक है लेकिन उस गलती को स्वीकार करते हुए क्षमा मांग लेना बहुत बड़ा मानवीय गुण है और सामने वाले को क्षमा करना उससे भी बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि क्षमा मांगने से कटुता और द्वेष-भाव समाप्त हो जाता है जिससे समाज में शांति एवं सद्भाव का मार्ग प्रशस्त होता है। शर्मा रविवार को जयपुर में महावीर पब्लिक स्कूल में राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित 'सामूहिक क्षमापन पर्व समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे आत्मिक शुद्धिकरण का पर्व होने के साथ-साथ समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण भी करवाता है। जैन धर्म में क्षमा याचना का बहुत महत्व है। क्षमा याचना से आत्म-शुद्धि होती है जिससे संबंधों में सुधार होता है और मानसिक शांति तथा आध्यात्मिक विकास होता है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने क्षमा को सबसे महत्वपूर्ण बताया और जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म ने पूरे विश्व को शांति और सद्भाव का संदेश दिया है। क्षमा ही सबसे बड़ा आभूषण है। इस अवसर पर शर्मा ने सोलहकारण व्रत के 32 एवं 16 उपवास, दशलक्षण पर्व के 10 उपवास करने वाले त्यागीवृत्तियों का सम्मान भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज धार्मिक, सामाजिक और लोक कल्याण के कार्यों में विशेष पहचान रखता है। शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य तथा गरीब-जरूरतमंदों की सहायता में जैन समाज सदैव अग्रणी रहा है। जैन समाज के अनेक ट्रस्ट और संगठन प्रदेश के विभिन्न अंचलों में अस्पताल, स्कूल और धर्मशालाओं का संचालन कर हर वर्ग के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग पर जैन छात्रावास के लिए जमीन आवंटन करने का सकारात्मक आश्वासन भी दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर संतों-मुनियों का सदैव स्वागत है।

शर्मा ने कहा कि जैन धर्म का दशलक्षण पर्व मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह पर्व न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाता है, बल्कि सामाजिक सामंजस्य और शांति की भी नींव रखता है। उन्होंने कहा कि इन गुणों का अनुकरण कर हम न केवल अपने जीवन को शुद्ध कर सकते हैं, बल्कि समाज को भी सुखी और समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय की शिक्षाएं आज के युग में भी प्रासंगिक हैं।

अहिंसा का सिद्धांत शारीरिक, मानसिक और वाचिक हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों और ऋषि-मुनियों ने देश की गौरवशाली संस्कृति एवं परम्पराओं को संरक्षित रखने का महती कार्य किया है। मुनियों ने समाज को रास्ता दिखाया और देश की प्रगति में उनका योगदान अप्रतिम है। शर्मा ने कहा कि जैन समाज के मुनि देश भर में भ्रमण कर समाज को आध्यामिक रूप से मजबूत कर रहे है।

मुनि शशांक सागर, पावन सागर एवं समत्व सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री शर्मा के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए उनकी सादगी-सहृदयता की सराहना की। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सेवाभावी हैं, ये नाम और काम दोंनो से झलकता है। इस अवसर पर मुनि सुभद्र सागर, अर्चित सागर, शील सागर एवं संदेश सागर भी उपस्थित रहे। समारोह में जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, जयपुर ग्रेटर नगर निगम उप महापौर पुनीत कर्णावट, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग शामिल हुए।

रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान में मतृ पाया गया बाघ

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर हुई लड़ाई के बाद तीन वर्षीय नर बाघ मृत पाया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उप मुख्य वन संरक्षक और उप क्षेत्रीय निदेशक रामानंद भास्कर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वन रक्षकों ने रविवार सुबह खंडार रेंज में बाघ के शव को देखा, जिस पर चोट के निशान थे। भास्कर ने कहा, प्रारंभिक साक्ष्यों के अनुसार बाघ, टी-2312 की मौत क्षेत्रीय संघर्ष के दौरान हुई। इस घटना के साथ ही राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या घटकर 72 रह गई है।

राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा नेताओं की टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस ने बूंदी में किया प्रदर्शन

बूंदी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ राजग के कुछ नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक'' टिप्पणियों के खिलाफ शनिवार को यहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रवेश करने के लिए बैरिकेड पार कर लिया, जबकि पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। कांग्रेस नेता केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सहित भाजपा नेताओं की अभद्र टिप्पणियों के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बूंदी में विरोध प्रदर्शन में शामिल राजस्थान के पूर्व मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों के वास्तविक मुद्दों को हल करने की बजाय उनका ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

वकीलों ने जयपुर में धरना दिया

जयपुर। जयपुर में वकीलों ने एक अधिवक्ता को धमकाने के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शनिवार शाम राजस्थान उच्च न्यायालय के बाहर रास्ता जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी वकील उच्च न्यायालय भवन के बाहर आंबेडकर सर्किल को स्टेच्यू सर्किल से जोड़ने वाली सड़क पर बैठ गए। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि ने बताया कि आज शाम एक वकील को फोन पर धमकी मिली और जब वह प्राथमिकी दर्ज कराने गया तो पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। पुलिस ने वकीलों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वकील आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे।

'आदमखोर तेंदुए' की तलाश के लिए सेना की एक टीम की मदद ली गई

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले के गोगुंदा में कथित तौर पर तीन लोगों की जान लेने वाले तेंदुए की तलाश तेज कर दी गई है और इस काम के लिए सेना की एक टीम को भी लगाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि हालांकि अभी तेंदुए का पता नहीं चला है। इस तेंदुए के हमले में बुधवार से शुक्रवार के बीच 16 साल की लड़की, 50 वर्षीय व्यक्ति और 40 साल की महिला मौत हो गई है। ये घटनाएं गोगुंदा में अलग-अलग स्थानों पर हुईं, जिसके बाद वन अधिकारियों ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पांच पिंजरे लगाए। माना जाता है कि यह तेंदुआ निकटवर्ती पहाड़ी इलाके में घूम रहा है। इसकी मौजूदगी से आसपास के ग्रामीणों में डर का माहौल है। वन विभाग की एक टीम स्थानीय ग्रामीणों के साथ तेंदुए को खोजने पहाड़ियों पर पहुंची। गोगुंदा थाने के थानाधिकारी शैतान सिंह ने कहा कि तलाशी अभियान में मदद के लिए सेना की एक टीम को भी बुलाया गया है, जो पूरे इलाके की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा राजसमंद, उदयपुर और जोधपुर की टीमें भी तलाशी अभियान में जुटी हैं। ग्रामीणों ने 'आदमखोर' तेंदुए को गोली मारने की मांग की है।

जयपुर में होगा अगला 'आइफा अवॉर्ड'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग रवि जैन की उपस्थिति में रविवार (22, सितम्बर 2024) को अल्बर्ट हॉल (म्यूजियम) में आईआईएफए के वाइस प्रेसिडेन्ट सुरेश अय्यर तथा राजस्थान सरकार के पर्यटन आयुक्त विजय पाल सिंह द्वारा खखत्रऋ-25 सेलिब्रेशन जयपुर होस्ट सिटी एग्रीमेंट साइनिंग सेरेमनी में एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। इस एमओयू के तहत 7 से 9 मार्च 2025 में जयपुर में खखत्रऋ-25 सेलिब्रेशन्स कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यटन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मार्गदर्शन में जयपुर में आगामी 7 से 9 मार्च को खखत्रऋ-25 सेलिब्रेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दीया कुमारी ने कहा कि आईफा अवार्ड्स से निश्चित ही राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आयोजन के दौरान बॉलीवुड के जाने-माने सितारे और फिल्मी जगत की हस्तियां जयपुर में हमारे मेहमान होंगे। हम सिनेमा जगत से जुड़े हुए इन सेलिब्रिटीज का राजस्थान और जयपुर में स्वागत करेंगे। इस आयोजन के माध्यम से राजस्थान की इस अनुठी संस्कृति और पर्यटन को वैश्विक मंच पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि आईफा अवार्ड की सिल्वर जुबली के अवसर पर ऐतिहासिक रूप से जयपुर में भारतीय सिनेमा के 25 शानदार वर्षों का जश्न मनाने का समारोह आयोजित किया जाएगा। तीन दिन तक विभिन सेगमेन्टस में आईफा अवार्ड्स और गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। दीया कुमारी ने कहा कि इस आयोजन से राजस्थान के पर्यटन को शानदार बढ़ावा मिलेगा, यहां पर्यटन के क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन से जुड़े सभी क्षेत्रों को फायदा होगा। इस अवसर पर शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि आगामी 7 से 9 मार्च 2025 में जयपुर में आयोजित होने वाले खखत्रऋ-25 सेलिब्रेशन्स तीन दिन के कार्यक्रम में कई कार्यक्रम शामिल होंगे, प्रमुख हस्तियों द्वारा प्रदर्शन और इस सहस्राब्दी में भारतीय सिनेमा में मेगा अचीवर्स और सबसे सफल लोगों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार राज्य के लिए वैश्विक ब्रांडिंग और गंतव्य विपणन अवसर भी प्रदान करेंगे। पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार और खखत्रऋ- प्रबंधन के बीच कई चर्चाओं के बाद, मार्च 2025 में जयपुर, राजस्थान में खखत्रऋ-25 समारोह आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

आईफा के वाईस प्रेसिडेन्ट सुरेश अय्यर ने इस अवसर पर बताया कि मार्च 2025 में जयपुर राजस्थान में यह यूनिक सिग्नेचर इंवेन्ट आयोजित किया जाएगा। हम भारतीय सिनेमा का उत्सव मनायेंगे। उन्होंने बताया कि खखत्रऋ- की स्थापना सन 2000 में हुई थी। उन्होंने कहा कि खखत्रऋ- का आयोजन प्रतिवर्ष 14 विभिन्न देशों और 18 अलग-अलग शहरों में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में किया जाता रहा है। आईफा के वाईस प्रेसिडेन्ट सुरेश अय्यर ने बताया कि हमारा प्रयास होगा कि इस बार जयपुर, राजस्थान में आयोजित होने वाले समारोह और पुरस्कार समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाए।

इस आयोजन का वैश्विक प्रसार होगा और पर्यटन, मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्रों में राजस्थान राज्य के लिए अवसर पैदा करने वाला साबित होगा। भारत में आखिरी बार खखत्रऋ- का आयोजन 2020 में मुंबई में हुआ था, और अब यह मौका 2025 में जयपुर को मिला है। उपमुख्यमंत्री को अबू धाबी के यास द्वीप में 27 से 29 सितंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले आईफा अवॉर्ड्स के लिए दिया निमंत्रण उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को आईफा के वाईस प्रेसिडेन्ट सुरेश अय्यर ने अबू धाबी के यास द्वीप में 27 से 29 सितंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले वर्ष 2024 के आईफा अवॉर्ड्स के लिए निमंत्रण दिया है।

युवक को अर्धनग्न कर मारपीट का वीडियो वायरल, दो आरोपी पकड़े गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक युवक को अर्धनग्न कर मारपीट करने के वायरल वीडियो के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। बाड़मेर के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि धनाऊ पुलिस ने गांव मीठाबेरा बामणोर निवासी दो आरोपी भाइयों तेजाराम जाट तथा भगवानाराम को दस्तयाब कर लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर एक युवक को अर्धनग्न कर उसके साथ मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ था। उन्होंने इसकी जांच कर पीड़ित और आरोपियों की पहचान कर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की तो जानकारी में आया कि यह घटना धनाउ थाना क्षेत्र के मीठाबेरा बामणोर में 16 सितंबर 2024 की रात की है। घटना की रात मिठाबेरा बामणोर गांव का पीड़ित जुंझाराम जाट अपने पड़ोसी रिश्तेदार के घर में घुस गया था। इस पर पड़ोसी तेजा राम, भगवाना राम तथा गेनाराम द्वारा सन्देह के कारण उसे अर्धनग्न कर मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोपियों पर 'मूत्र' पिलाकर वीडियो वायरल करने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित जुंझाराम राम से शनिवार 21 सितंबर को घटना के संबंध में पुलिस ने रिपोर्ट प्राप्त कर थाना धनाऊ पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 127(2), 119(1) व 3(5) के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया है मामले में आरोपी भाइयों तेजाराम जाट एवं भगवाना राम को दस्तयाब कर पूछताछ की जा रही है।

लूणी थाने का कांस्टेबल पांच हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जोधपुर पुलिस आयुक्तालय के लूणी थाने के कांस्टेबल मुन्नाराम को रविवार को एक मामले में पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने एसीबी की जोधपुर इकाई में शिकायत की कि उसके द्वारा दर्ज कराये गये मुकदमें में आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने की एवज में कांस्टेबल मुन्नाराम दस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे है। इस पर ब्यूरो टीम ने मामले में सत्यापन के बाद आरोपी कांस्टेबल को परिवादी से पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

भू-माफियाओं की फायरिंग में दो की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ उपखंड के रूपनगढ़ में हाईवे स्थित बेशकीमती जमीन को लेकर भूमाफिया की फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गयी तथा एक गम्भीर रूप से घायल हो गया। रूपनगढ़ थानाक्षेत्र में रविवार को हाईवे स्थित जैन समाज की जमीन को हथियाने के लिए एक भू-माफिया गिरोह के लोगों ने गोलियां चलाकर आतंक फैला दिया। जिससे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई और बाजार बंद हो गये। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गेंग से जुड़े भूमाफिया सदस्यों ने कार में बैठकर फायरिंग कर दी, जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई तथा दो गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें पहले रूपनगढ़ अस्पताल ले जाया गया। गम्भीर अवस्था देखते हुए दोनों को अजमेर रेफर किया गया लेकिन इनमें से एक अन्य की भी रास्ते में मौत हो गई। इस तरह मामलें में दो की मौत होने की सूचना है। मामलें में पुलिस अभी कुछ नहीं बता रही है। वह स्थिति को नियंत्रित करने तथा आक्रोशित गांव वालों को शांत करने में लगी है। मौके पर उपाधीक्षक सत्यनारायण यादव तीन थानों की पुलिस के साथ मौजूद है और स्थिति पर निगरानी बनाये हुए हैं। सूचना पर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई भी अजमेर में मौजूद राज्यपाल के कार्यक्रम के बाद रूपनगढ़ के लिए रवाना हो गये हैं।

युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए किया जा रहा है कौशल विकास : चौधरी

जयपुर/दक्षिण भारत । केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने रविवार को भरतपुर के नगर विकास न्यास ऑडिटोरियम में जन कौशल संवाद कर युवाओं, किसानों को संबोधित किया। उन्होंने समारोह में कौशल एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय द्वारा जिले में संचालित किये जाने वाले कौशल रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी की जानकारी से युवा एवं किसान अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है। अपने कौशल को निखार कर युवाओं को हर क्षेत्र में आगे आना होगा। प्रदेश में 65 लाख किसानों को पीएम सम्मान निधि योजना के माध्यम से सीधा लाभान्वित किया जा रहा है। इससे 8 हजार रूपये सीधा किसानों के खातों में जा रहा है। उन्होंने कहा कि देशभर में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, आईटीआई से युवाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। बुनियादी तौर पर युवाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की शिक्षण संस्थाएं भी युवाओं के कौशल विकास का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बजट की कमी आने नहीं दी जायेगी उद्यमियों को जिस विद्या के लिए श्रमिकों की आवश्यकता है उसी विद्या के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण देकर कौशल विकास किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि देश में केन्द्र सरकार द्वारा हर क्षेत्र में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। पहलीबार पीएम विश्वकर्मा योजना से पुस्तैनी रूप से अपने हुनर का काम करने वाले नागरिकों के कौशल विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 13 हजार करोड़ की लागत से 3 वर्ष में 30 लाख लोगों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। एक साल में 9 लाख लोगों को प्रशिक्षण देकर कौशल उन्नयन का कार्य किया जा चुका है। इसमें 3 मंत्रालय आपस में समन्वय से इस कार्य को पूरा कर रहे है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि गण गांवों की समस्याओं को दूर कराने में आगे आये तो तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना में भरतपुर में 5500 लोग पंजीकृत है।

शिक्षक दें जीवन में उत्तरोत्तर विकास की शिक्षा : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा) के विश्वविद्यालय शैक्षिक सम्मेलन में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के जीवन में उत्तरोत्तर विकास के लिए शिक्षा देनी चाहिए। राज्यपाल बागड़े ने रविवार को विश्वविद्यालय शैक्षिक सम्मेलन में अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपनी मां तथा परिवार से मिली शिक्षा से बच्चे छोटी उम्र में ही विशेष योग्यताओं को अर्जित कर लेते हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास को केन्द्र में रखकर अध्यापन करवाना चाहिए। इससे विद्यार्थी के जीवन में उत्तरोत्तर विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। शिक्षा बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली हो। पाठयक्रम के अतिरिक्त सहशैक्षिक गतिविधियां भी ज्ञान प्राप्ति की साधन होनी चाहिए। इनसे विद्यार्थी कक्षा उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक पुस्तकीय ज्ञान से अधिक व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।

राज्यपाल ने कहा कि मा.स. गोलवकर 'गुरूजी' के विचारों पर नई शिक्षा नीति में जोर देना चाहिए। शिक्षा में सुधार के लिए बनी नीतियों, शिक्षा आयोगों एवं कमेटियों के सुझाओं का प्रभाव प्राथमिक शिक्षा पर होने से विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत होगा। भारतीय शिक्षा पद्धति में हमारी संस्कृति, देवधर्म एवं आदर्शों के आचरण को स्थान देना आवश्यक है। महर्षि दयानन्द सरस्वती जैसे महापुरूषों के मानवीय सद्गुणों युक्त नैतिक शिक्षा को अपनाने से विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होगा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ इसी भावना से शिक्षक निर्माण के कार्य में लगा है।

मां आशापुरा का मेला 11 अक्टूबर से

बीकानेर । जैसलमेर जिले में पोकरण एरिया में मां आशापुरा का मेला 11 से 14 अक्टूबर तक भरेगा। मेले में दर्शन पूजन के लिए बीकानेर शहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आशापुरा पहुंचेंगे। इस अवसर पर मां आशापुरा का अभिषेक, पूजन, श्रृंगार, आरती के साथ भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन होगा।

श्रीआशापुरा भण्डारा सेवा समिति ट्रस्ट बीकानेर की ओर से 11 अक्टूबर से भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। रविवार को ट्रस्ट की बैठक बिन्नानी चौक जोशी निवास में हुई। मां आशापुरा की पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ हुई बैठक की अध्यक्षता संरक्षक जुगल किशोर जोशी, नृसिंह दास जोशी व अरुण कुमार व्यास ने की। बैठक की शुरूआत में महासचिव गिरिराज बिस्सा ने बताया कि नवरात्रा में अष्टमी से तीन दिवसीय मेला प्रारंभ होगा। उन्होंने मेला और ट्रस्ट की ओर से भण्डारा सेवा संचालन की जानकारी दी। अध्यक्ष श्याम सुंदर जोशी ने ट्रस्ट के गत वर्ष के आय-व्यय के ब्यौरे को रखा।

उत्तरप्रदेश : 'प्रसादम' में जानवरों की चर्बी की खबर के बाद एफएसडीए सक्रिय, लिए नमूने

मथुरा/भाषा। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए तैयार किए जाने वाले 'प्रसादम' में कथित रूप से जानवरों की चर्बी मिलाए जाने की खबर आने के बाद मथुरा में भी खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) सक्रिय हो गया और पिछले 48 घंटों में अलग-अलग जगहों पर से प्रसाद के रूप में बिक रहे पदार्थों के कुल 13 नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला भेजे गये हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि, वृन्दावन के ठा. बांकेबिहारी मंदिर एवं गोवर्धन के दानघाटी मंदिर के बाहर स्थित दुकानों पर से ये नमूने लिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने के बाद टीम ने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और गोवर्धन मंदिर के बाहर प्रसाद की दुकानों से नमूने लिए और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा।

त्रिशंकु विधानसभा से बचने के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन किया : उमर

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन किया है ताकि लोगों को विकल्प दिया जा सके और त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति से बचा जा सके। गठबंधन में सीट बंटवारा समझौते के अनुसार, नेकां 51 सीट पर और कांग्रेस 32 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि एक सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को दी गई है। बाकी की 6 सीट पर कांग्रेस और नेकां के बीच 'दोस्ताना मुकाबला' हो रहा है। जदीबल सीट से पार्टी उम्मीदवार तनवीर सादिक के समर्थन में डल झील में आयोजित एक शिकारा रैली में पत्रकारों से बातचीत में उमर ने कहा, ''शायद उनके पास कुछ है जो उन्हें यह देखने की अनुमति देता है कि (ईवीएम) मशीनों में क्या गया है, हम नहीं जानते मशीनों में क्या चला गया है, हमने लोगों से सुना है, त्रिशंकु चुनाव की कोई गुंजाइश नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हम चुनाव के बाद गठबंधन कर सकते थे, लेकिन गठबंधन (चुनाव से पहले) लोगों को विकल्प देने के लिए बनाया गया है ताकि त्रिशंकु विधानसभा न हो और इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि सरकार नहीं बनेगी।''

उत्तर प्रदेश के आगरा में गैंगस्टर की 1.20 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के आगरा में पुलिस ने कुख्यात अपराधी अली शेर कुरैशी की 1.20 करोड़ रुपए की संपत्ति रविवार को कुर्क कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अली शेर कुरैशी की शाहगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क कर लिया गया। उसपर अलग-अलग थानों में बीस से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (लोहामंडी) मयंक तिवारी ने बताया कि लोहामंडी क्षेत्र के रहने वाले अली शेर कुख्यात अपराधी है और उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में लूट, अपहरण, बलवा, फिरौती, गुंडा एक्ट समेत अन्य धाराओं में 22 मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि अली शेर पर दो बार गुंडा एक्ट और गैंगस्टर भी लग चुका है। अधिकारी ने बताया कि न्यायालय में जारी मुकदमे के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर के कुर्की के आदेश के बाद रविवार को पुलिस ने अभियुक्त की एक करोड़ 20 लाख रुपए की संपत्ति कुर्क की। रविवार अपराह्न लोहामंडी थाने से पुलिस बल अली शेर के सैय्यद पाड़ा स्थित आवास पर पहुंचा और कुर्की की कार्रवाई की।

भारत में अवैध रूप से दाखिल होने के आरोप में 11 बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला/भाषा। वैध दस्तावेजों के बिना भारत में दाखिल होने के आरोप में 11 बांग्लादेशियों को त्रिपुरा से गिरफ्तार किया गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने यह जानकारी दी। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि इन बांग्लादेशियों की घुसपैठ में मदद करने के आरोप में तीन भारतीय को भी पकड़ा गया है। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जीआरपी की टीम ने शनिवार शाम अगरतला रेलवे स्टेशन पर इन बांग्लादेशियों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि ये ट्रेन से चेन्नई और अहमदाबाद जाने की योजना बना रहे थे। प्रभारी अधिकारी तपन दास ने बताया कि इन बांग्लादेशियों को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पकड़े गए बांग्लादेशियों ने बताया कि उन्होंने अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की है और चेन्नई व अहमदाबाद जाने की योजना बना रहे थे। दास ने बताया कि इन 11 बांग्लादेशियों और उनके तीन भारतीय मददगारों को पुलिस हिरासत में लेने के लिए रविवार को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया।

राममंदिर का शिखर पूरी तरह बन जाएगा तब करूंगा पूजा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर को 'आधा-अधूरा' बताकर इस वर्ष जनवरी में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का विरोध करने वाले उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने रविवार को राम मंदिर में पूजा-अर्चना करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि मंदिर अधूरा है और आंशिक रूप से निर्मित मंदिर में पूजा-अर्चना नहीं की जा सकती।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह राम मंदिर में तभी पूजा-अर्चना करेंगे, जब मंदिर का शिखर पूरी तरह से बन जाएगा। अयोध्या पहुंचे सरस्वती ने संवाददाताओं द्वारा राम मंदिर न जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, अधूरे रूप से निर्मित मंदिर में पूजा-अर्चना नहीं की जा सकती। यह अधूरा है। मैं राम मंदिर में तभी पूजा-अर्चना करूंगा, जब मंदिर का शिखर पूरी तरह से बन जाएगा। उन्होंने चिनेश्वरनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और अयोध्या में रामकोट इलाके में राम जन्मभूमि परिसर की परिक्रमा की।

शंकराचार्य ने अयोध्या से देशव्यापी 'गौ ध्वज स्थापना भारत यात्रा' की शुरुआत की। अयोध्या के संतों की मौजूदगी में सरस्वती ने यहां एक धर्मसभा बुलाई। इस धर्मसभा में संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने और गाय की अप्रतिबंधित सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने का आह्वान किया गया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारे देश में गाय को गौ माता के रूप में पूजा जाता है। मगर यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि गाय की पूजा करने वाला वही देश दुनिया में गाय के मांस का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी है। उन्होंने कहा, ''हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह धर्म और गाय के सम्मान में कदम उठाये और गौहत्या पर प्रतिबंध लगाए। हमारी यात्रा देश के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी, जिसमें प्रमुख महंत और आम लोग हमारे साथ शामिल होंगे।

भाजपा के सत्ता में आने के बाद से असम में गैंडे के शिकार में 86 प्रतिशत कमी आई : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि 2016 में राज्य में भाजपा के पहली बार सरकार बनाने के बाद से गैंडे के शिकार में 86 प्रतिशत तक कमी आई है। विश्व गैंडा दिवस के संबंध में 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य के गैंडे पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''धन्यवाद, माननीय प्रधानमंत्री!... 2016 में डबल इंजन सरकार के सत्ता में आने के बाद से, अवैध शिकार में 86 प्रतिशत की कमी आई है। हम अपनी जीवंत विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की आपकी प्रतिबद्धता के लिए बहुत आभारी हैं।'' इससे पहले, मोदी ने 'एक्स' पर किये गए अपने पोस्ट में कहा, ''आज विश्व गैंडा दिवस पर, आइए हम अपने ग्रह के सबसे विशिष्ट जीवों में से एक – गैंडों की रक्षा की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। पिछले कई वर्षों से गैंडों के संरक्षण के प्रयासों में शामिल सभी लोगों को बधाई।'' उन्होंने कहा, ''यह बहुत गर्व की बात है कि भारत में बड़ी संख्या में एक सींग वाले गैंडे रहते हैं। मुझे असम में काजीरंगा की अपनी यात्रा भी याद आती है और मैं आप सभी से वहां भी जाने का आग्रह करता हूं।'' गैंडे, असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान सहित कई जंगलों में पाए जाते हैं। इससे पहले दिन में, मोदी ने इस वन्य जीव की रक्षा के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और गैंडे के संरक्षण में शामिल लोगों के प्रयासों की सराहना की।

झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन के लिए बांग्लादेशी घुसपैठिए 'वोट बैंक' हैं : उपमुख्यमंत्री मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोडरमा (झारखंड)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन के ''वोट बैंक'' हैं और सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें राज्य से बाहर नहीं निकालेगी।

भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' के तहत कोडरमा में एक रैली को संबोधित करते हुए मौर्य ने हेमंत सोरेन सरकार पर अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने और झारखंड को भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात बनाने का आरोप लगाया। मौर्य ने कहा, ''बांग्लादेशी घुसपैठिए, जो पहले केवल पश्चिम बंगाल तक ही सीमित थे, बड़ी संख्या में झारखंड में फैल गए हैं, जो एक बड़ी चुनौती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें राज्य से बाहर नहीं निकाल सकती क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानता है।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा अवैध प्रवासियों को झारखंड की ''गरिमा पर धब्बा'' मानती है और वह एकमात्र पार्टी है जो उन्हें राज्य से बाहर निकाल सकती है। भाजपा नेता ने कहा, ''हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है और झारखंड को भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात बना दिया। मैं लोगों से गरीबों, किसानों के कल्याण, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने के लिए विस चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील करता हूं।''

बंगाल में बाढ़ : ममता ने मोदी को लिखा पत्र, कहा- डीवीसी ने पानी छोड़ने से पहले सलाह नहीं ली

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में बाढ़ की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक और पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) ने उनकी सरकार से परामर्श किए बिना जलाशयों से पानी छोड़ दिया, जिससे राज्य के कई जिले जलमग्न हो गए। प्रधानमंत्री को लिखे ममता के पिछले पत्र का जवाब देते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि राज्य के अधिकारियों को हर चरण में डीवीसी के जलाशयों से पानी छोड़े जाने के बारे में सूचित किया गया था, जो एक बड़ी आपदा को रोकने के लिए आवश्यक था। ममता ने कहा, माननीय मंत्री का दावा है कि डीवीसी के बांधों से पानी दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति के साथ आम सहमति और सहयोग से छोड़ा था, जिसमें प. बंगाल सरकार के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श भी शामिल था, मैं इससे सम्मानपूर्वक असहमति जताती हूं। उन्होंने आरोप लगाया, भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के अधीन आने वाले केंद्रीय जल आयोग के प्रतिनिधि सभी अहम फैसले आम सहमति के बिना एकतरफा रूप से लेते हैं। ममता ने दावा किया कि कभी-कभी राज्य सरकार को बिना किसी नोटिस के पानी छोड़ दिया जाता है और उनकी सरकार की राय का सम्मान नहीं किया जाता।

संसद को 'गहरे, अंधेरे कक्ष' में बदला जा रहा है: तृणमूल कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने संसद को ''गहरे, अंधेरे कक्ष'' में बदलने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि 18वीं लोकसभा के गठन के 100 दिन पूरे होने के बावजूद संसद की स्थायी समितियों का गठन नहीं किया गया है।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 15वीं लोकसभा में 10 में से सात विधेयक संसद की विभाग-संबंधी स्थायी समितियों को भेजे गए थे, जबकि पिछली लोकसभा में 10 में से केवल दो विधेयक ही समितियों को भेजे गए। उन्होंने कहा, ''संसद को एक गहरे, अंधेरे कक्ष में बदला जा रहा है।'' संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 11 सितंबर को कहा था कि संसद की विभाग-संबंधी स्थायी समितियों और परामर्शदात्री समितियों का गठन शीघ्र ही किया जाएगा। ''थिंक टैंक'' ''पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च'' द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 17वीं लोकसभा में 16 प्रतिशत विधेयक स्थायी समितियों को भेजे गए। विधेयकों पर लगभग 50% रिपोर्ट 115 दिन के भीतर प्रस्तुत की गईं। विधेयकों पर रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए स्थायी समितियों ने औसतन नौ बैठकें कीं। डेटा संरक्षण विधेयक के अलावा, केवल जैव विविधता (संशोधन) विधेयक, 2021 पर कम से कम 15 बैठकों में चर्चा की गई। देश के आपराधिक कानूनों में सुधार के लिए तीन विधेयकों की 12 बैठकों में एक साथ जांच की गई। सोलहवीं लोकसभा में 28% विधेयक संसदीय समितियों को भेजे गए।

मणिपुर को 'अफगानिस्तान की राह' पर क्यों जाने दिया जा रहा है : कांग्रेस सांसद का केंद्र से सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर में जारी संकट के बीच कांग्रेस सांसद ए. बिमल अकोइजाम ने केंद्र की ''निष्क्रियता'' पर तीखे सवाल उठाते हुए कहा कि यदि ऐसी स्थिति उत्तर प्रदेश और बिहार में पैदा हुई होती तो इसे अनसुलझा नहीं छोड़ा जाता। अकोइजाम ने 'पीटीआई-वीडियो' से साक्षात्कार के दौरान मणिपुर की स्थिति से निपटने के केंद्र के तरीके की कड़ी निंदा की और सवाल किया कि भारत सरकार पूर्वोत्तर राज्य को अफगानिस्तान की तरह क्यों बनने दे रही है। उन्होंने अफगानिस्तान को 'बनाना रिपब्लिक' (कमजोर सरकार वाला ऐसा देश जो किसी एक ही वस्तु के निर्यात से मिलने वाले धन पर निर्भर होता है) करार दिया।

अकोइजाम ने कहा, ''ऐसे में जब मणिपुर में 60,000 सैनिक मौजूद हैं, केंद्र सरकार को इस संकट को इतने लंबे समय तक खिंचने से रोकना चाहिए था।'' उन्होंने कहा, ''अगर यह उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान या मध्य प्रदेश में हुआ होता, तो क्या इसे लंबे समय तक जारी रहने दिया जाता? ज्यादातर लोग 'नहीं' कहेंगे।'' मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई, 2022 को पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला गया था जिसके बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी। इस हिंसा में 220 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें कुकी और मेइती समुदायों के सदस्यों के अलावा सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

अकोइजाम ने केंद्र से राज्य सरकार में व्याप्त समस्याओं को सुलझाने के लिए वार्ता करने का आग्रह किया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अलग प्रशासन के मुद्दे पर दो अलग-अलग बातें बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने विधायकों और मंत्रियों को बुलाकर कहना चाहिए था कि 'भारत में ऐसा नहीं होना चाहिए। मणिपुर किसी 'बनाना रिपब्लिक' का हिस्सा नहीं है, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा, बात करके पता लगाओ, समस्या क्या है'।'' मणिपुर में पिछले महीने कुछ कुकी समूहों ने पुडुचेरी की तर्ज पर विधानसभा के साथ एक केंद्र-शासित प्रदेश के निर्माण की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि यह विवाद खत्म करने का एकमात्र तरीका है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस मांग को स्पष्ट रूप से खारिज किया था। लोकसभा में 'इनर मणिपुर' निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अकोइजाम ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि वे इस व्यापक संकट में सिंह को एक ''अंशकालिक खिलाड़ी'' के रूप में देखते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि इसके लिए वह बिल्कुल जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा, ''इस संकट के लिए भारत सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है।'' उन्होंने राज्य की खराब होती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और अफगानिस्तान का उदाहरण दिया ''जहां कबीलाई सरदार घूमते रहते हैं और केंद्रीय सत्ता अपना प्रभाव नहीं जमा पाती।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि मणिपुर अफगानिस्तान की राह पर जा रहा है, कांग्रेस सांसद ने कहा, ''भारत सरकार इसकी अनुमति दे रही है, इसलिए सवाल यह है कि – यह पूछने के बजाय कि क्या मणिपुर अफगानिस्तान की राह पर जा रहा है, हमें यह पूछना चाहिए कि भारत सरकार मणिपुर को अफगानिस्तान की तरह 'बनाना रिपब्लिक' क्यों बनने दे रही है। यह सही सवाल होना चाहिए।'' अकोइजाम ने आरोप लगाया कि मणिपुर को अस्थिर करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''कोई राज्य को विभाजित करने और टुकड़े-टुकड़े करने की चाह रखने वालों के साथ मिलकर यह साजिश रच रहा है।''

असम: उल्फा (आई) के कई स्थानों पर बम रखने के मामले में 15 गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम में प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ''सिलसिलेवार विस्फोट करने के लिए 24 स्थानों पर विस्फोटक लगाने'' के संबंध में तीन महिलाओं सहित कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी प्रणबज्योति गोस्वामी ने बयान में कहा कि पुलिस बल ने एनआईए के सहयोग से अभियान चलाया। उन्होंने बताया, ''असम पुलिस ने एनआईए के तकनीकी सहयोग से राज्य के विभिन्न हिस्सों में एक साथ छापे मारे और शनिवार रात 15 लोगों (तीन महिलाओं सहित) को गिरफ्तार किया।''

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आईईडी जैसी सामग्री लगाने की जांच में इसे एक बड़ी सफलता बताते हुए असम पुलिस ने कहा कि एनआईए के साथ समन्वय में लंबे समय तक खुफिया जानकारी जुटाने के बाद छापेमारी की गई। गोस्वामी ने बताया, ''पकड़े गए व्यक्तियों से प्रारंभिक पूछताछ के बाद अपराध सिद्ध करने वाले तथ्य सामने आए हैं तथा आगे पूछताछ में साजिश के बारे में और अधिक जानकारी सामने आने की संभावना है।'' डिब्रूगढ़ और लखीमपुर जिलों से तीन-तीन, जोरहाट और गुवाहाटी से दो-दो तथा तिनसुकिया, सदिया, नगांव, नलबाड़ी और तामुलपुर से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

बल्लेबाजों के लिए यहां की उछाल से निपटना चुनौतीपूर्ण था : अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजों पर अपना पूरा दबदबा बनाए रखा और छह विकेट लिए और भारत के इस स्टार ऑफ़ स्पिनर ने कहा कि उन्होंने उछाल के कारण तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल माने जाने वाली लाल मिट्टी से बनी इस पिच में गेंदबाजी करने का पूरा आनंद लिया।

अश्विन ने 88 रन देकर छह विकेट लिए और भारत को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 280 रन से बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह 38 वर्षीय अब गेंदबाज अब 101 टेस्ट में 522 विकेट ले चुका है। अश्विन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन ने कहा, ''इस पिच पर अगर आप अच्छी गेंद भी करते हैं तो उस पर रन बन सकते हैं। यहां की उछाल से निपटना वास्तव में चुनौतीपूर्ण था। लाल मिट्टी से बनी पिच की खूबसूरती है कि यह कुछ अलग तरीके से व्यवहार करती है और इसमें उछाल होती है।'' चेन्नई के रहने वाले इस क्रिकेटर ने तो यहां तक कहा उन्हें काली मिट्टी के बजाय लाल मिट्टी से बनी पिच पर खेलना पसंद है।

अश्विन के 6 विकेट से भारत ने बांग्लादेश को 280 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पहली पारी के शतकवीर रविचंद्रन अश्विन ने दूसरी पारी में गेंद से अपने चिर-परिचित अंदाज में छह विकेट झटक कर दो मैचों की शृंखला के शुरुआती मुकाबले के चौथे दिन रविवार को यहां बांग्लादेश पर भारत की 280 रन से बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। बांग्लादेश के खिलाफ अपने शानदार रिकॉर्ड को जारी रखते हुए भारतीय टीम ने शृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

बांग्लादेश की टीम दिन की शुरुआत चार विकेट पर 158 रन से आगे से करते हुए 234 रन पर ऑल आउट हो गयी। अश्विन ने 88 रन देकर छह विकेट लिए। उन्हें रविंद्र जडेजा का शानदार साथ मिला जिन्होंने 58 रन देकर तीन विकेट चटाये। कप्तान नजमुल हसन शंटो ने बांग्लादेश के लिए 127 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 82 रन की शानदार पारी खेली लेकिन उन्हें छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। बीते दिन के नाबाद बल्लेबाज शंटो और अनुभवी शाकिब अल हसन (25) ने हालांकि बांग्लादेश के लिए दिन की अच्छी शुरुआती की थी। दोनों ने खेल के शुरुआती घंटे में भारतीय गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस दौरान अपनी गति और लाइन-लेंथ से प्रभावित किया लेकिन उन्हें किसमत का साथ नहीं मिला। गेंद कई बार बल्ले के बेहद करीब से निकली तो कई बार बल्ले का किनारा लेते हुए। बल्ले का किनारा लेने के बाद गेंद क्षेत्ररक्षक के हाथों में पहुंचने से पहले ही टप्पा खा गयी। शाकिब ने सिराज के खिलाफ पुल शॉट पर शानदार चौका लगाया। उन्हें जडेजा की गेंद पर जीवनदान भी मिल जब ऋषभ पंत ने स्टंप करने का मौका गंवा दिया। पहले घंटे के खेल के बाद ड्रिंक्स के समय बांग्लादेश का स्कोर चार विकेट पर 194 रन था। पिच से गेंदबाजों को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी लेकिन अश्विन ने अपने कौशल का शानदार इस्तेमाल कर बायें हाथ के बल्लेबाज शाकिब को काफी परेशान किया और फिर बैकवर्ड शॉट लेग पर यशस्वी के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। शाकिब ने पांचवें विकेट के लिए शंटो के साथ 48 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के टूटने के बाद भारतीय गेंदबाजों को ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। जडेजा ने विकेटकीपर लिटन दास (01) को चलता कर दिया। अश्विन ने इसके बाद मेहदी हसन (08) को पवेलियन की राह दिखा कर टेस्ट में 37वीं बार पारी में पांच विकेट झटक कर महान शेन वॉर्न के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने इस दौरान न्यूजीलैंड के दिग्गज रिचर्ड हेडली के 36 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। टेस्ट मैच में यह चौथी बार है

हम मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के साथ अपनी टीम बनाना चाहते हैं : रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 280 रन से जीत दर्ज करने के बाद रविवार को यहां कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वह 'मजबूत गेंदबाजी विकल्पों' के आस पास अपनी टीम को तैयार करने पर ध्यान दे रहे हैं।

भारत ने अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल के साथ शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों के दम पर पांच सत्र रहते बड़ी जीत दर्ज की। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' हम अपनी टीम को मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के इर्द-गिर्द बनाना चाहते हैं, हमें किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।'' उन्होंने कहा, '' इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं, चाहे हम भारत में खेलें, चाहे हम बाहर खेलें, हम उसी के अनुरूप टीम बनाना चाहते हैं।'' भारतीय कप्तान ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में हम जहां भी खेले हैं, हम अपने विकल्पों का अच्छे से इस्तेमाल करने में कामयाब रहे हैं। हम तेज गेंदबाजी या स्पिन दोनों विकल्पों को इस्तेमाल करने में सफल रहे हैं।'' बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए 234 रन पर आउट हो गयी।

सुविचार

वाणी से ही ख़ुशी, वाणी ही गम का कारण, वाणी ही पीड़ा, और वाणी ही मरहम!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन साजिशों के पीछे कौन?

देश में रेल की पटरियों पर अवरोधक और ज्वलनशील सामग्री रखकर उन्हें बेपटरी करने की साजिशों के पीछे जो तत्त्व हैं, उनके हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। वे जान-माल का भारी नुकसान कराने के लिए ऐसी चालें चल रहे हैं, जिनमें विदेशी हाथ होने का भी संदेह होता है। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर एक गैस सिलेंडर का मिलना कोई सामान्य घटना नहीं है। इससे पहले, कानपुर जिले में ही कालिंदी एक्सप्रेस के रास्ते में रसोई गैस सिलेंडर, पेट्रोल से भरी बोतल, माचिस और अत्यंत ज्वलनशील चीजें मिली थीं। दोनों घटनाओं में ही ट्रेन चालकों ने बहुत सूझबूझ दिखाई, जिसके लिए उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। क्या इन घटनाओं के तार एक ही जगह जाकर जुड़ते हैं? क्या कानपुर में देशविरोधी ताकतों का ऐसा नेटवर्क मजबूत हो रहा है, जिससे जुड़े लोग ट्रेनों को निशाना बना रहे हैं? हालांकि देश के दूसरे इलाकों में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर ऐसा कोई नेटवर्क अस्तित्व में है तो वह कानपुर या उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है। हाल में राजस्थान के अजमेर जिले में किसी ने एक मालगाड़ी के रास्ते में सीमेंट के भारी-भरकम ब्लॉक रख दिए थे। इसी तरह, गुजरात के सूरत जिले में किसी ने ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश के तहत 'फिश' प्लेटें हटा दीं तथा कई पेच ढीले कर दिए थे। ये सामान्य खुराफाती तत्त्वों की हरकतें नहीं लगतीं। जो व्यक्ति पटरियों पर गैस सिलेंडर रखेगा, सीमेंट के ब्लॉक लगाएगा, 'फिश' प्लेटें हटाएगा ... उसे इस बात की जानकारी जरूर होगी कि इससे देश को जान-माल का बहुत भारी नुकसान हो सकता है। स्पष्ट है कि इसके पीछे बहुत खतरनाक इरादे हैं। किसी गिरोह के उकसावे और साजिश के बिना ऐसा संभव नहीं है।

कालिंदी एक्सप्रेस के आगे जिस तादाद में ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी, अगर उस दिन कोई हादसा हो जाता तो सैकड़ों लोगों की जानें जा सकती थीं। मालगाड़ी के आगे अवरोधक या सिलेंडर रखना भी बहुत गंभीर मामला है। अगर वहां षड्यंत्रकारी अपने मंसूबों में कामयाब हो जाते तो चालक दल की जान खतरे में पड़ सकती थी। साथ ही, पीछे लदी कई टन सामग्री गिरने से भारी आर्थिक नुकसान हो सकता था। पटरियों के क्षतिग्रस्त होने से अन्य ट्रेनों का आवागमन बाधित होता, वह अलग। एक के बाद एक, ट्रेनों को बेपटरी करने की कोशिशों के मद्देनज़र बहुत जरूरी है कि अपराधियों पर शिकंजा कसा जाए। पटरियों के आस-पास खुफिया तंत्र को मजबूत किया जाए। हो सकता है कि एक जगह बड़ा सुराग हाथ लगने और अपराधियों के गिरफ्तार होने के बाद ऐसी हरकतों में शामिल अन्य लोग भी पकड़े जाएं! रेलवे की ओर से कई बार चेतावनी दी गई है कि पटरियों पर कोई सामान / चीज न रखें, इससे हादसा हो सकता है। इसके बावजूद कुछ खुराफाती लोग पटरियों के साथ 'प्रयोग' करते रहते हैं। प्राय: इसके पीछे सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा व्यूज पाने की इच्छा छिपी होती है। रेलवे को चाहिए कि जब भी कोई यूजर ऐसा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करे तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। पटरियों की सुरक्षा देशवासियों की सलामती से जुड़ी हुई है। लिहाजा ऐसे तत्त्वों को हतोत्साहित किया जाए। संबंधित सोशल मीडिया ऐप्स को पाबंद किया जाए कि जो लोग ऐसे खतरनाक प्रयोग करते हुए वीडियो बनाकर प्रसारित करें, उनके अकाउंट की तुरंत सूचना दें। पटरियों पर विस्फोटक, ज्वलनशील सामग्री, अवरोधक या हादसे को न्योता देने वाली कोई भी चीज रखना, पटरियों को कमजोर करना ... एक तरह से देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसा है। ऐसे लोगों के साथ खूब सख्ती से निपटने की जरूरत है। जितनी देरी होगी, उनकी उद्दंडता बढ़ती जाएगी।

ट्वीटर टॉक

जम्मू में आयोजित 'प्रबुद्ध जन सम्मेलन' में उपस्थित नागरिकों के उत्साह और अभिनंदन के लिए आभारी हूँ। भारतीय जनसंघ के प्रथम अध्यक्ष डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के नेतृत्व में 'एक देश, एक विधान का पहला आंदोलन हुआ और अनुच्छेद 370 का विरोध किया गया।

-जेपी नड्डा

रूपनगढ़ में खुलेआम गोलीबारी, हत्या और गुंडागर्दी की ये तस्वीरें प्रदेश की बेलगाम एवं ध्वस्त कानून व्यवस्था का सबूत है। पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था से राजस्थान सबसे असुरक्षित राज्य बनता जा रहा है और कमजोर भाजपा सरकार गहरी नींद में सो रही है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

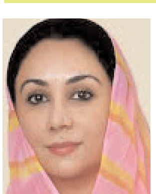

आज 'आईआईएफए होस्ट सिटी सिग्नेचर सेरेमनी' कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। यह आयोजन 7 से 9 मार्च 2025 को गुलाबी नगरी जयपुर में होगा, जिसमें राजस्थान अपनी अनूठी संस्कृति और समृद्ध इतिहास को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए तैयार है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

आज़ादी के लिए दासता

वर्ष 2004 में डॉ. कलाम ने केपटाउन के रॉबेन द्वीप का दौरा किया, जहां उनका दक्षिण अफ्रीकी अहमद कथराडा ने स्वागत किया। कथराडा ने डॉ. नेल्सन मंडेला के साथ कारावास में समय बिताया था। केपटाउन के खूबसूरत दृश्यों, जैसे टेबल माउंटेन और डेविल्स पीक को देखकर कलाम मंत्रमुग्ध हो गए। कथराडा ने कलाम को मंडेला की कोठरी दिखाई, जहां उन्होंने 26 वर्ष कारावास में बिताये। कलाम ने इस छोटी-सी कोठरी को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि मंडेला ने अपनी स्वतंत्रता के लिए अपार बलिदान दिया। कथराडा ने बताया कि मंडेला को खदानों में काम करने के लिए ले जाया जाता था, लेकिन उनके अदम्य साहस को यातनाएं तोड़ने में असफल रहीं। जो समय उनके पास बचता था, उस समय में उन्होंने इस कोठरी में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम' लिखी। कलाम ने कहा कि मंडेला का जीवन एक प्रेरणा है, यह दर्शाता है कि दृढ़ संकल्प से कोई भी व्यक्ति बड़ी बाधाओं को पार कर सकता है। कथराडा ने इस पर सहमति जताई और मंडेला के साहस को नमन किया।

सामयिक

सांकेतिक भाषा को समझना, सीखना और प्रोत्साहन देना आवश्यक

अशोक प्रवृद्ध
मोबाइल : 7631057837

आत्माभिव्यक्ति अर्थात अपनी बात प्रकट करने, अपना अर्थ सूचित करने के लिए श्रवणीय ध्वनि माध्यम में संप्रेषित करने के स्थान पर दृश्य रूप में सांकेतिक माध्यम से अर्थात हस्तचालित संप्रेषण, अंग संकेत के माध्यम से प्रकटित रूप में संचारित भाषा संकेत भाषा अर्थात इशारा की भाषा अर्थात सांकेतिक भाषा कहलाती है। इसमें वक्ता के द्वारा अपनी विचारों को धाराप्रवाह रूप से व्यक्त करने के लिए हाथ के आकार, विन्यास और संचालन, बांहों अथवा शरीर तथा मुखपटल के हाव भावों का एक साथ उपयोग किया जाता है। इस प्रकार की संकेत अर्थात इशारों की भाषा का प्रयोग अत्यंत प्राचीन काल से ही भारत में युद्ध आदि काल में अपनी सूचना दूर बैठे अपने लोगों तक पहुंचाने आदि कार्यों में किया जाता रहा है। एक विशेष प्रकार की आवाज अथवा विशेष वाद्य यंत्र का विशेष अंदाज में वादन या फिर ध्वज फहराने आदि कार्यों से गोपनीय सूचनाएं शत्रु से बचाकर सांकेतिक रूप में अपनों तक पहुंचाए जाने की कथाएं भारतीय प्राचीन ग्रंथों में बहुतायत से प्राप्य हैं। भारत में अत्यंत प्राचीन काल से ही मठ, मंदिरों, आश्रमों आदि धार्मिक, पंथीय समुदाय से संबंधित स्थलों, कोलाहल पूर्ण कार्यस्थलों, युद्ध स्थल, शिकार व अन्य गुप्त, गोपनीय कार्यों के समय, जहां वार्त्तालाप का प्रयोग वर्जित हो, अथवा अनुमत नहीं हो, ऐसे स्थानों पर हस्तचालित संप्रेषण अथवा संकेत भाषाओं का प्रयोग होता रहा है। भारत के अनेक प्रदेशों में जंगली- पहाड़ी, पाट क्षेत्रों में निवास करने वाली विभिन्न मौखिक भाषाओं वाली आदिम जनजातियों के बीच संप्रेषण के लिए भी विभिन्न कार्यों के लिए उनके स्वयं के द्वारा विकसित संकेत भाषा प्रयोग में लाई जाती है। श्रवण शक्ति वाले लोगों द्वारा विकसित अन्य संकेत भाषाओं से भिन्न, यह बधिर संकेत भाषाओं के स्थानिक व्याकरण से मिलता-जुलता है। लेकिन वर्तमान में मात्र मूक, बधिर लोगों के समुदाय के मध्य अपनी बात संप्रेषित करने के लिए संकेत अर्थात सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया जाने लगा है।

दरअसल यह प्राकृतिक व स्वाभाविक बात है कि ध्वनि शक्ति आवाज़ अर्थात ज़ुबान नहीं होने वाले लोग भी एक दूसरे से विचार व्यक्त करने की इच्छा होने पर अपने हाथों, सिर और शरीर के शेष अंगों के संचालन द्वारा संकेत करने की कोशिश करने लगते हैं। मूक लोग अक्सर ही ऐसा करते देखे जाते हैं। बधिर-मूक व्यक्ति भी व्यावसायिक लेन-देन के उद्देश्य के लिए इशारों से संवाद करते देखे गए हैं। वह होंठ की गति के माध्यम से भी ऐसा कर सकते हैं। ऐसी कलाओं में दक्षता प्रदान करने के लिए अक्षरों का न्यूनीकरण और मूक लोगों को बोलना सिखाने की कला से संबंधित शिक्षा पद्धति का भी निर्माण किया गया है। मूक अथवा बधिर लोगों के संकेत से अपनी बात संप्रेषण में सहयोग और सुधार के लिए हस्तचालित वर्णमाला के रूप में हस्तचालित संकेतों के उपयोग द्वारा बधिर लोगों को मौखिक शिक्षा की विधि स्थापित की गई है। स्थानीय व पारंपरिक रूप से इस संसार में सैकड़ों संकेत भाषाएं प्रचलन में हैं और स्थानीय बधिर समूहों द्वारा इनका उपयोग किया जाता है। कुछ संकेत भाषाओं ने तो एक प्रकार की क़ानूनी मान्यता हासिल कर ली है।

आधुनिक इतिहास के अनुसार अधिकतर संकेत भाषाएं बधिर छात्रों के विद्यालयों के आस-पास विकसित हुई हैं। 1755 में अब्बे डी लेपी ने पैरिस में बधिर बच्चों के लिए प्रथम विद्यालय की स्थापना की। लॉरेंट क्लर्क उस विद्यालय का सुविख्यात स्नातक था। 1817 में क्लर्क, थॉमस हॉपकिन्स गलाउडेट के साथ हार्टफ़ोर्ड, कनेक्टिकट में अमेरिकन स्कूल फ़ॉर द डेफ़ की स्थापना के लिए संयुक्त राष्ट्र अमेरिका गए। गलाउडेट के बेटे एडवर्ड माइनर गलाउडेट ने 1857 में बधिरों के लिए वाशिंगटन, डी.सी. में एक विद्यालय स्थापित किया, जो 1864 में नेशनल डेफ़-म्यूट कॉलेज बन गया। अब गलाउडेट यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता है और यह विश्व भर में बधिर लोगों के लिए एकमात्र उदार कला विश्वविद्यालय के रूप में विख्यात है। लेकिन देखने में तो यह भी आता है कि कभी-कभी एक ही परिवार के भीतर संकेत प्रणालियां विकसित होती हैं। सांकेतिक भाषा कौशल की तनिक भी कोई जानकारी नहीं रखने वाले अर्थात श्रवण शक्ति सम्पन्न माता-पिता की संतान के बधिर हो जाने पर स्वाभाविक तौर पर संकेतों की एक घरेलू अनौपचारिक प्रणाली उस घर में विकसित होती है। ऐसे घरेलू संकेत संप्रेषण के उपाय अर्थात तरीके किसी अन्य तरीके के अभाव के कारण उत्पन्न होते हैं। एकल जीवनकाल में और समुदाय के समर्थन के बिना बच्चा अपने संप्रेषण की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए स्वाभाविक रूप से संकेतों का आविष्कार करता है।

वर्तमान में धार्मिक, पंथीय समुदायों के मठ, मंदिरों, आश्रमों, स्कूबा डाइविंग, टेलीविज़न अथवा सिनेमा रिकॉर्डिंग स्टूडियो, कोलाहलपूर्ण कार्यस्थल, शेयर बाज़ार, बेसबाल, शिकार समूहों द्वारा, शराड खेल में, रग्बी यूनियन में रेफ़री के द्वारा दर्शकों को अपना निर्णय संप्रेषित करने के लिए सीमित लेकिन परिभाषित संकेतों का उपयोग किया जाता है। सांकेतिक भाषा की इन्हीं विशेषताओं के कारण छोटे बच्चों को उनके द्वारा बोलना सीखने से पूर्व ही संकेत भाषा को सिखाने और प्रोत्साहित करने की प्रवृत्ति आज अनेक परिवारों में चल पड़ी है। इसका कारण यह है कि कुछ बच्चे मौखिक रूप से बोलना शुरू करने से पहले ही सांकेतिक भाषाओं के माध्यम से प्रभावी रूप से संप्रेषित करने में सक्षम होते हैं। वाक क्षति अथवा वाक में विलंब जैसे अन्य कारणों वाले ऐसे बच्चे जो बहरे नहीं हैं अथवा सुनने में असमर्थ नहीं हैं, बोलने पर निर्भर न करते हुए प्रभावी संप्रेषण के लाभ की दृष्टि से संकेत भाषाओं के उपयोग करते देखे जाते हैं। ऐसे बच्चों के परिजन अपने बच्चों के लिए सांकेतिक भाषा शिक्षा की व्यवस्था करते हैं। बहरे लोगों के लिए आयोजित आयोजनों अथवा बधिर लोगों की बहुतायत रूप में उपलब्धता वाले कार्यक्रमों में संपूर्ण स्थानीय समुदाय द्वारा एक बधिर सांकेतिक भाषा को अपनाया जाता है।

बधिर समुदाय समस्त संसार में व्यापक रूप से प्रशस्त हैं। और उनके मध्य मौजूद संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। उनके मध्य प्रचलित सांकेतिक भाषा और बधिरों की संस्कृति के संरक्षण की वकालत करने वाले एक संगठन विश्व बधिर संघ की स्थापना 23 सितम्बर 1951 को हुई। यह संघ 135 देशों के बधिर संगठनों से बना है, जो संसार के लगभग 7 करोड़ बधिर लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। बधिरों के मानवाधिकारों की पूर्ण प्राप्ति में सांकेतिक भाषा के महत्व पर लोगों की जागरूकता बढ़ाये जाने उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 23 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के रूप में घोषित किया है। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2018 वर्ष से शुरू हुआ। विश्व बधिर संघ के अनुसार दुनिया में लगभग 80 प्रतिशत बधिर लोग विकासशील देशों में रहते हैं।

फिर भी लोगों के बीच सामंजस्य की वकालत करने वाले वर्तमान संसार में बधिर समूह समाज में एक कमजोर समूह है। हालांकि बधिर समूह को समाज के सरकारी व गैरसरकारी विभिन्न संगठनों की ओर से देखभाल और समर्थन मिला है और उनकी स्थिति और जीवन में कुछ हद तक सुधार हुआ है। लेकिन अपनी परेशानियों और पूर्वाग्रहों के कारण बधिर लोगों के लिए वास्तव में समानता प्राप्त करना और समाज में भाग लेना आज भी मुश्किल, परेशानी व कठिनाई से भरी है। इस स्थिति में बधिर लोगों को रोजगार पाने और स्वतंत्र होने में मदद करने, उनके समाजवादी आधुनिकीकरण में समान रूप से भाग लेने व आर्थिक विकास में योगदान देने, और उन्हें मुख्यधारा में शामिल कराने के लिए सांकेतिक भाषा को समझना, सीखना और प्रोत्साहन देना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इससे न केवल अपनी भाषा को समृद्ध बनाया जा सकता है, बल्कि बधिरों को समाज में बेहतर भागीदारी और एकीकरण में मदद मिल सकती है। बधिर लोगों के लिए सांकेतिक भाषा बधिर संस्कृति का वाहक और मूल है और बधिर पहचान का आधार भी है। सुनने वाले लोगों के लिए सांकेतिक भाषा बहरे और सुनने वाले दोनों तरह के समूहों के बीच सुचारू आदान-प्रदान और सामंजस्यपूर्ण सामाजिक संबंधों के निर्माण के लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

मुद्दा

आस्था से खिलवाड़

बाल मुकुन्द ओझा

देश के करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक तिरुपति बालाजी के प्रसाद यानि लड्डू के घी में चर्बी और अन्य चीजों की मिलावट से देशवासी सकते और सदमे में है। इसके साथ ही इस घनौनी मिलावट पर सियासत भी शुरू हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार के पशुपालन मंत्रालय का कहना है देश में दूध का कुल उत्पादन का 2,400 लाख लीटर से अधिक है। इसमें घी के लिए दस प्रतिशत दूध ही सुलभ हो पाता है। एक किलो घी के लिए लगभग 17 से 18 लीटर दूध की जरुरत होती है। ऐसी स्थिति में यह सवाल उठना वाजिब है कि इतनी अधिक मात्रा में घी आखिर आता कहां से है। देशभर से मिली ख़बरों के अनुसार विभिन्न राज्यों में आये दिन नामी ब्रांडेड कंपनियों के लेबल लगाकर बेचे जा रहे घी को पकड़ा जारहा है। मिलावटिये घी में वेजिटेबल तेल सहित अन्य चीजों की मिलावट कर ब्रांडेड कंपनी का लेबल लगाकर जनता की आँखों में सरेआम धूल झोंक रहे है। आम आदमी महंगाई के साथ खाद्य पदार्थो में हो रही मिलावट खोरी से खासा परेशान रहता है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली हर चीज में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। खाने पीने के पदार्थो में मिलावट कोई नयी समस्या नहीं है। मिलावट और खराब उत्पाद बेचे जाने की खबरें आम हो चुकी हैं। साल-दर-साल इसका दायरा व्यापक होता जा रहा है। खाद्य पदार्थों में मिलावट ने हमारा जीना हराम कर रखा है। हर चीज में मिलावट ने हमारी जिंदगी की रफ्तार को अवरुद्ध कर दिया है। शरीर का हर हिस्सा जैसे मिलावट से कराह रहा है। जितनी चोटें युद्ध भूमि में राणा सांगा ने नहीं खाई होंगी उतनी हम मिलावटी वस्तुओं से रोज ही खा रहे हैं। इसका मतलब बिलकुल साफ है कि हमारा शरीर पूरी तरह मिलावटी हो गया है।

खाद्य पदार्थों में अशुद्ध, सस्ती अथवा अनावश्यक वस्तुओं के मिश्रण को मिलावट कहते हैं। आज समाज में हर तरफ मिलावट ही मिलावट देखने को मिल रही है। पानी से सोने तक मिलावट के बाजार ने हमारी बुनियाद को हिला कर रख दिया है। पहले केवल दूध में पानी और शुद्ध देशी घी में वनस्पति घी की मिलावट की बात सुनी जाती थी, मगर आज घर-घर में प्रत्येक वस्तु में मिलावट देखने और सुनने को मिल रही है। मिलावट का अर्थ प्राकृतिक तत्त्वों और पदार्थों में बाहरी, बनावटी या दूसरे प्रकार के मिश्रण से है।

मुनाफाखोरी करने वाले लोग रातोंरात धनवान बनने का सपना देखते हैं। अपना यह सपना साकार करने के लिए वे बिना सोचे-समझे मिलावट का सहारा लेते हैं। सस्ती चीजों का मिश्रण कर सामान को मिलावटी कर महंगे दामों में बेचकर लोगों को न केवल धोखा दिया जाता है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी किया जाता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से प्रतिवर्ष हजारों लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार होकर जीवन से हाथ धो बैठते हैं। मिलावट का धंधा हर तरफ देखने को मिल रहा है। दूध बेचने और मिलावट करने वाले से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ने मिलावट के बाजार पर अपना कब्जा कर लिया है।

सत्य तो यह है कि हम जो भी पदार्थ सेवन कर रहे हैं चाहें वे खाद्य पदार्थ हो या दूसरे, सब में मिलावट ही मिलावट हो रही है। मिलावट ने अपने पैर जबरदस्त तरीके से फैला लिए हैं। दूधिए की मिलावट तो एक उदाहरण के रूप में है। मगर आज हर वस्तु में मिलावट से हमारा वातावरण प्रदूषित और जहरीला हो उठा है।

दूध, मावा, घी, हल्दी, मिर्च, धनिया, अमचूर, सब्जियां, फल आदि सभी मिलावट की चपेट में है। आज खाने पीने सहित सभी चीजों में धड़ले से मिलावट हो रही है।, ऐसा कोई भोज्य पदार्थ नहीं है, जो जहरीले कीटनाशकों और मिलावटों से मुक्त हो। बाजार में पपीता, आम और केला, सेव अनार जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाईड की मदद से पकाया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार यह स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है। फलों को सुनहरा बनाने के लिए पैराफीन वैक्स भी लगाया जाता है। इन फलों को खाने से कैंसर और डायरिया जैसी बीमारियां होती है। डेयरी और कृषि उत्पादों-विशेषकर हरी सब्जियों में ऑक्सिटोसिन का खूब इस्तेमाल हो रहा है।

बाजार में मिलने वाली सब्जियों और फलों को रसायन के माध्यम से रंग-बिरंगा कर उपभोक्ताओं को आकर्षित किया जाता है। मटर और परवल को हरे रंग से हरा भरा किया जाता है। तरबूज में इंजेक्शन तो आम बात हो गई है। आम, केले, मुसंबी तक को सरे आम रसायन और इंजेक्शन से पकाया और तैयार किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है।

सीमेंट में राख, चाय में रंगा हुआ लकड़ी का बुरादा, जीरे में घोड़े की लीद, खाने के रंगों में लाल-पीली मिट्टी, खाद्य तेलों में दूसरे सस्ते और अखाद्य तेलों की मिलावट खूब हो रही है। सच तो यह है अधिक मुनाफा कमाने के लालच में नामी कंपनियों से लेकर खोमचेवालों तक ने उपभोक्ताओं के हितों को ताख पर रख दिया है। अगर कोई इन्हें खाकर बीमार पड़ जाता है तो हालत और भी खराब है, क्योंकि जीवनरक्षक दवाइयाँ भी नकली ही बिक रही हैं।

नजरिया

डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं आपके बच्चे?

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

आज के डिजिटल परिदृश्य में, बच्चे तकनीक में डूबे हुए बड़े हो रहे हैं। स्मार्टफोन से लेकर टैबलेट, लैपटॉप और गेमिंग कंसोल तक, इंटरनेट उनके जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। जबकि ऑनलाइन दुनिया अंतहीन शैक्षिक और मनोरंजन के अवसर प्रदान करती है, यह बच्चों को विभिन्न जोखिमों के लिए भी उजागर करती है। डिजिटल क्षेत्र में बच्चों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए साइबर सुरक्षा सर्वोपरि है। डिजिटल युग में, बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा प्रदान करना तथा सूचना तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करना एक महत्त्वपूर्ण चुनौती है। इंटरनेट के उपयोग में वृद्धि के साथ, बच्चों को सीखने के अवसर और साइबरबुलिंग, शोषण और आपत्तिजनक सामग्री जैसे जोखिम दोनों का सामना करना पड़ता है। ऑनलाइन सुरक्षा को संतुलित करने के लिए कानूनी ढाँचे, माता-पिता के मार्गदर्शन और प्रौद्योगिकी समाधानों को सम्मिलित करते हुए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। कई माता-पिता और बच्चों में पर्याप्त डिजिटल साक्षरता का अभाव है, जिससे सुरक्षित रूप से ऑनलाइन मार्गदर्शन प्रदान करना और संभावित जोखिमों को समझना मुश्किल हो जाता है।

भारत में, केवल 407 व्यक्ति बुनियादी डिजिटल कार्य करने में सक्षम हैं, जिससे बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के प्रयास जटिल हो जाते हैं। बच्चे अक्सर परिवार के सदस्यों के साथ डिवाइस का साझा उपयोग करते हैं, जिससे उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी और उन्हें विनियमन करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई ग्रामीण घरों में, साझा फोन के उपयोग से बच्चों द्वारा व्यक्तिगत रूप से उपयोग की गई गतिविधियों को ट्रैक करना असंभव हो जाता है, जिससे उन्हें साइबरबुलिंग जैसे जोखिमों का सामना करना पड़ता है। कई प्लेटफार्मों पर मजबूत फ़िल्टरिंग तंत्र की कमी के कारण बच्चे अक्सर ऑनलाइन अनुचित सामग्री के संपर्क में आते हैं। यू ट्यूब जैसे प्लेटफार्म के माध्यम से बच्चों द्वारा एडल्ट कंटेंट तक पहुँचने की रिपोर्ट ने मजबूत सुरक्षा

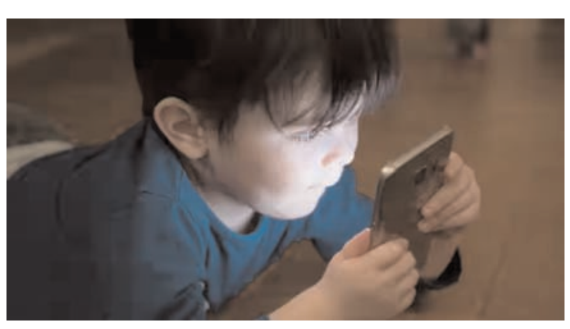

जरूरतों की आवश्यकता पर बल दिया है। साइबरबुलिंग और ऑनलाइन शोषण में वृद्धि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण जोखिम उत्पन्न करती है।

कुछ प्लेटफार्मों पर बच्चों को प्रतिबंधित करने से वे वैकल्पिक उपाय ढूंढने लगेंगे, जिससे प्रतिबंध अप्रभावी हो जाएगा। पहचान से संबंधित दस्तावेजों की आवश्यकता वाले आयु सत्यापन सिस्टम गोपनीयता से संबंधित मुद्दे उठाते हैं और अक्सर आवश्यकता से अधिक डेटा एकत्र करते हैं। भारत में, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयु सत्यापन के लिए आधार के उपयोग ने डेटा के दुरुपयोग के संबंध में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। जटिल या कठोर ऑनलाइन नियम अनजाने में हाशिए पर स्थित समुदायों के बच्चों को पहचान से संबंधित दस्तावेजों या डिजिटल संसाधनों तक सीमित पहुँच से वंचित कर सकते हैं। ग्रामीण भारत में, उचित पहचान के बिना बच्चों को सख्त नियमों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना मुश्किल हो सकता है। टेक प्लेटफॉर्म पर अत्यधिक सख्त नियम लागू करने से नवाचार बाधित हो सकता है और वैश्विक फर्मों के लिए संचालन जटिल हो सकता है। गूगल और मेटा जैसी टेक कंपनियों ने अपने व्यापार मॉडल को प्रभावित करने वाले जटिल कानूनी ढाँचों पर चिंता व्यक्त की है।

यू ट्यूब किड्स जैसे प्लेटफॉर्म स्क्रीन टाइम को मैनेज करने और कंटेंट को प्रतिबंधित करने के लिए कस्टमाइज करने योग्य पैरेंटल कंट्रोल सेटिंग्स प्रदान करते हैं। यूके के आयु-उपयुक्त डिजाइन कोड जैसे कानूनों को अपनाने से यह सुनिश्चित होगा कि तकनीकी प्लेटफॉर्म बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ बच्चों के अनुकूल डिजिटल वातावरण को विकसित करे। भारत में भी इसी प्रकार के दिशा-निर्देश लागू किये जा सकते हैं, जिसके तहत तकनीकी प्लेटफॉर्म को अलग-अलग आयु समूहों के लिए सुविधाओं को संशोधित करने की आवश्यकता होगी। स्कूलों को बच्चों को डिजिटल स्पेस में स्वयं को सुरक्षित रखने के तरीके सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में ऑनलाइन सुरक्षा शिक्षा को शामिल करना चाहिए। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूली पाठ्यक्रम में ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल जिम्मेदारी के प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। सरकारों, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज को बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, साथ ही सूचना तक उनकी पहुँच का अधिकार सुनिश्चित करना चाहिए । भारतीय शिक्षा मंत्रालय और तकनीकी प्लेटफॉर्म के बीच सहयोग से व्यापक बाल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

डिजिटल युग में, ऑनलाइन सुरक्षा और बच्चों के सूचना तक पहुँच के अधिकार के बीच संतुलन बनाना एक जटिल चुनौती बनी हुई है। सहयोगात्मक प्रयासों, डिजिटल साक्षरता में सुधार और आयु-उपयुक्त मजबूत विनियमों को लागू कर, बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बेहतर तरीके से सुरक्षित किया जा सकता है। एक समग्र दृष्टिकोण जिसमें माता-पिता, शिक्षकों, सरकारों और तकनीकी प्लेटफार्मों शामिल हो से वैश्विक स्तर पर बच्चों के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी डिजिटल स्थान तैयार होंगे। बच्चों के लिए साइबर सुरक्षा आधुनिक पेरेंटिंग का एक अनिवार्य हिस्सा है। इन तकनीकों को लागू करके, उपयुक्त सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके, और फाइबर ऑप्टिक इंटरनेट के लाभों का लाभ उठाकर, माता-पिता एक सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बना सकते हैं जहाँ उनके बच्चे डिजिटल दुनिया से जुड़े जोखिमों को कम करते हुए खोज, सीख और मौज-मस्ती कर सकते हैं। आपके बच्चे की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खुला संचार और निरंतर शिक्षा आवश्यक है। याद रखें कि सक्रिय कदमों के साथ, आप अपने बच्चों को डिजिटल परिदृश्य को जिम्मेदारी और आत्मविश्वास से नेविगेट करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कांग्रेस सरकार ऋण लेती है, सोनिया गांधी को दे देती है : कंगना रनौत

शिमला/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत ने रविवार को आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश सरकार ऋण लेती है और इसे कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को दे देती है, जिससे राज्य का खजाना ''खाली'' हो गया है।

रनौत ने यहां एक गांव में भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''हर कोई जानता है कि भ्रष्टाचार व्याप्त है और कांग्रेस शासित राज्य सरकारों ने अपने-अपने राज्यों को खोखला कर दिया है।'' उन्होंने आश्चर्य जताया कि पार्टी (कांग्रेस) चुनावों पर ''इतना अधिक'' खर्च कैसे करती है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए भाजपा सांसद ने कहा, ''वे कर्ज लेते हैं और सोनिया गांधी को देते हैं जिससे राज्य खाली हो गया है।''

रनौत ने कहा, ''आपदाओं और कांग्रेस सरकार ने राज्य को दशकों पीछे धकेल दिया है और मैं लोगों से मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करती हूं।'' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''अगर हम आपदा निधि देते हैं तो वह मुख्यमंत्री राहत कोष में जानी चाहिए, लेकिन सभी जानते हैं कि वह सोनिया राहत कोष में जाती है।'' हाल में हुए लोकसभा चुनाव में रनौत के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर कटाक्ष करते हुए मंडी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद ने कहा, ''एक राजा के बेटे की हरकतें सभी को पता हैं और लोग सड़कों पर गड्ढों से थक चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने क्षेत्र के लिए जितना संभव होगा, उससे अधिक करूंगी, लेकिन पीडब्ल्यूडी मंत्री (विक्रमादित्य सिंह) को भी कुछ करना चाहिए।''

रनौत ने कहा, ''देश को बचाना है तो भाजपा को लाना है।'' उन्होंने लोगों से भाजपा का सदस्य बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'युगपुरुष' हैं और वे सूक्ष्म स्तर पर स्थितियों से निपटते हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की स्थिति, जहां वेतन और पेंशन में देरी हो रही है और लोगों से मुफ्त बिजली और पानी की सुविधा छीन ली गई है, देश के बाकी हिस्सों से छिपी नहीं है। रनौत ने दावा किया कि प्राथमिक विद्यालयों में खेल सुविधाएं बंद की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एथलीट और खिलाड़ियों की बुनियाद कम उम्र में ही तैयार हो जाती है और ऐसा लगता है कि हिमाचल को बर्बाद करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार बच्चों के भविष्य को खत्म करने की कोशिश कर रही है, लेकिन मेरा लक्ष्य मंडी निर्वाचन क्षेत्र में एक बड़ा खेल परिसर बनाना है।''

कांग्रेस का ढांचा आज उतना ही 'जर्जर' है, जितना कभी बाबरी ढांचा था : योगी आदित्यनाथ

चंडीगढ़/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी का ढांचा वैसे ही ''जर्जर'' हो चुका है, जैसे अयोध्या में बाबरी ढांचा था।

योगी ने जींद के नरवाना, सोनीपत के राई और करनाल के असंध में चुनावी रैलियों को संबोधित किया और लोगों से जाति की राजनीति को खारिज करने और त्वरित विकास के लिए हरियाणा में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने का आह्वान किया। उन्होंने कांग्रेस और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) दोनों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे ''परिवारवाद'' (वंशवादी राजनीति) में व्यस्त हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर भी निशाना साधा।

बसपा इनेलो के साथ गठबंधन कर राज्य विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

योगी ने कहा, ''आज कांग्रेस का ढांचा वैसा ही जर्जर हो गया है जैसा कभी अयोध्या में बाबरी ढांचा था... जब भगवान राम के भक्तों ने नारा लगाया था 'एक धक्का और दो, बाबरी ढांचे को तोड़ दो'। उन्होंने कहा, ''बाबरी ढांचा हमेशा के लिए ध्वस्त हो गया। गुलामी का ढांचा ध्वस्त हो गया, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।'' उन्होंने कहा, ''और मैं आपसे यही अपील करने आया हूं। वे जाति की राजनीति करके आपको बांटना चाहते हैं। मैंने आपसे कहा था, बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो नेक रहोगे, कोई माई का लाल आपका बाल बांका नहीं कर पायेगा।''

योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ''ननकाना साहिब कॉरिडोर के निर्माण में बाधाएं पैदा कीं।'' उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस नेता के अमेरिका में हाल में दिये गये बयान का जिक्र करते हुए कहा, ''और राहुल गांधी विदेश में क्या कह रहे थे, वह सिखों को गाली दे रहे थे। वह भारत को बदनाम कर रहे थे...।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जब गांधी विदेश दौरे पर जाते हैं तो वह देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं, देश की आस्था पर हमला करते हैं। उन्होंने कहा, ''...वह (राहुल गांधी) दुनिया में देश को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते।'' उन्होंने कहा, ''..ये लोग जो देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं, उनसे ये उम्मीद करना बेमानी होगी कि वे भारत की सुरक्षा और समृद्धि के लिए कोई प्रयास करेंगे।''

योगी ने आरोप लगाया, ''आजादी के बाद अपने राजनीतिक हितों के लिए उन्होंने समाज को आपस में लड़ाने का काम किया।'' भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया, लेकिन उन्होंने एक भी हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास या बी. आर. आंबेडकर के नाम पर नहीं रखा। वे अपने परिवार के नाम पर इनका नाम रखते थे।''

योगी ने बताया कि भाजपा शासन के तहत पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश किस तरह से ''बदल'' गया है। उन्होंने कहा, ''2017 से पहले उत्तर प्रदेश में क्या स्थिति थी? हर दूसरे दिन दंगे होते थे, अराजकता थी, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, विकास बाधित था।'' उन्होंने कहा, ''अब उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' की सरकार ने दंगों से मुक्ति दिला दी है। पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। दंगा करने वालों से निपटने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश में चौतरफा विकास हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आज उत्तर प्रदेश 'डबल इंजन' वाली सरकार में दोगुनी गति से आगे बढ़ रहा है। और यह प्रगति हरियाणा में भी देखी गई है।'' हरियाणा में बसपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही इनेलो पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि इनेलो का हरियाणा के बाहर कोई अस्तित्व नहीं है और पार्टी अकेले कोई विकास नहीं कर सकती। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है।

बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिलाओं के लिए जिम और स्नानघर बनाए

नादिया (प. बंगाल)/भाषा

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पश्चिम बंगाल के नादिया सीमांत क्षेत्र में तीन खुले जिम और महिलाओं के लिए कई स्नानघर बनाए हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सीमा बलों को स्थानीय आबादी के साथ जुड़ने के निर्देश के बाद ये सुविधाएं बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीमा पर स्थित ये दूरदराज के स्थान देश के अंतिम नहीं बल्कि पहले गांव हैं और बीएसएफ जैसे संगठनों को सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के जीवन की बेहतरी के लिए सभी उपाय करने चाहिए।

अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ की 32वीं बटालियन ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में गेडे, कादीपुर और तुंगी सीमा चौकियों के पास खुले जिम बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सभी आयु वर्ग के लोग – बच्चे, युवा और बुजुर्ग – दिन के किसी भी समय इन सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

बीएसएफ के एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''जो सुरक्षा बैरियर पहले हमारे जवानों द्वारा बंद रखा जाता था, उसे अब खोल दिया गया है ताकि लोग जब चाहें जिम का आनंद ले सकें।'' उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने क्षेत्र की महिलाओं और लड़कियों के लिए टिन शेड से ढके स्नानघर भी बनवाए हैं, क्योंकि बल को पता चला कि महिलाएं सड़क के किनारे स्थित पानी के नलों के पास नहाने को मजबूर हैं।

अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ कर्मियों द्वारा 'नारी सम्मान स्नानघर' बनाए गए, जिनका स्थानीय महिलाओं द्वारा उद्घाटन किया गया।

27 को फिर से रिलीज होगी 'ताल'

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व विश्व सुन्दरी ऐश्वर्या राय और मिस्टर इंडिया अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म ताल सिनेमाघरों में 27 सितंबर को फिर से रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म ताल के निर्माता.निर्देशक सुभाष घई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्टर साझा कर इस खबर की जानकारी दी। उन्होंने पोस्टर साझा कर लिखा, 'लोगों की इच्छा को देखते हुये, मुक्ता आर्टर्स लिमिटेड मुक्ता ए2 सिनेमा जी सिनेमा और पीवीआर ने सबसे पसंदीदा फिल्म ताल को दोबारा से सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया। पूरे भारत में 27 सितंबर से कई सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी फिल्म ताल। फिल्म की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए इसे फिर से बड़े परदे पर लाया जा रहा है। पिछले कुछ सालों में ताल प्रशंसकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण इसका यादगार साउंडट्रैक और इसके कलाकारों का शानदार अभिनय है। यह फिल्म अपने गानों के लिए प्रसिद्ध है जिसमें 'ताल से ताल मिला', 'इश्क बिना', 'नहीं सामने', 'रमता जोगी' और 'नी मैं समझ गई' शामिल हैं, जो आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है। यह प्रतिष्ठित फिल्म अपनी पहली रिलीज के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए भारतीय सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने वाली है। ऐश्वर्या राय बच्चन, अनिल कपूर और अक्षय खन्ना अभिनीत फिल्म ताल 13 अगस्त 1999 को रिलीज़ हुई थी। इस फिल्म में अमरीश पुरी, आलोक नाथ, मीता वशिष्ठ और सौरभ शुक्ला जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी थे, जिन्होंने इसकी सफलता में अपना योगदान दिया।

रानी मुखर्जी ने कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ मनाया वर्ल्ड रोज डे

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने आज कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ वर्ल्ड रोज़ डे मनाया। रानी मुखर्जी ने कैंसर मरीजों की मदद करने वाले संगठन, कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक भावनात्मक कार्यक्रम में कैंसर से जूझ रहे बच्चों के साथ रोज़ डे मनाया। रानी मुखर्जी ने बच्चों को गुलाब और उपहार बांटकर इस महत्वपूर्ण उद्देश्य का समर्थन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, रानी ने बच्चों से संवाद किया, उन्हें प्रोत्साहित किया और हौसला बढ़ाया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण बच्चों के साथ बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर एक ओपन बस की सवारी, जो कैंसर प्रभावित लोगों के सम्मान में लाल रोशनी से जगमगा रही थी। रानी और बच्चों ने मिलकर आसमान में लाल और सफेद गुब्बारे छोड़े, जिससे एक खास एकजुटता का पल बना। इस पहल ने न केवल बच्चों को खुशी दी, बल्कि कैंसर से लड़ने वाले लोगों के लिए जागरूकता भी बढ़ाई।

रानी मुखर्जी नेकहा, बच्चे रोज़ डे की टी-शर्ट और मिलते-जुलते कैप्स में बहुत प्यारे लग रहे हैं। मैं आप सबके साथ समय बिताकर बेहद खुश हूं। मुझे यहां बुलाने के लिए आपका बहुत धन्यवाद। आप सभी छोटे फरिश्तों जैसे हैं। मैं यहां मौजूद सभी माता-पिता से कहना चाहती हूं कि आपके सहयोग के बिना आपके बच्चे इस लड़ाई को नहीं लड़ पाते। मैं आप सभी को सलाम करती हूं।कृपया अपने बच्चों के लिए मजबूत बने रहें। मैं भी एक मां हूं और समझती हूं कि केवल हमारा प्यार और समर्थन ही हमारे बच्चों को इस लड़ाई को जीतने की ताकत दे सकता है। मेरी प्रार्थनाएं आप सभी के साथ हैं, और मैं यहां आने के लिए अत्यधिक आभारी हूं, विशेष रूप से इन अद्भुत बच्चों के साथ। मैं बहुत अभिभूत और विनम्र महसूस कर रही हूं। एक बार फिर से धन्यवाद, मुझे यहां आमंत्रित करने और मेरे दिन को खास बनाने के लिए। वर्ल्ड रोज़ डे हर साल 22 सितंबर को कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और कैंसर पीड़ितों तथा उनके परिवारों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण दिन की शुरुआत 2000 में 12 वर्षीय मेलिंडा रोज़ द्वारा की गई थी, जिन्होंने टर्मिनल कैंसर से बहादुरी से लड़ाई लड़ी।

फिल्म 'बी हैप्पी' में अभिषेक बच्चन और इनायत वर्मा पिता-पुत्री की भूमिका में नजर आएंगे

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'बी-हैप्पी' में अभिनेता अभिषेक बच्चन और अभिनेत्री इनायत वर्मा पिता-पुत्री की भूमिका में नजर आएंगे। ओटीटी मंच 'प्राइम वीडियो' ने यह जानकारी साझा की। कोरियोग्राफर से निर्देशक बने रेमो डिसूजा फिल्म 'बी-हैप्पी' का निर्देशन कर रहे हैं। इसमें अभिषेक और इनायत के अलावा नोरा फतेही, नासिर, जॉनी लीवर और हरलीन सेठी भी नजर आएंगे। 'प्राइम वीडियो' द्वारा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर साझा किए गए पोस्टर में बच्चन और वर्मा को पिता-पुत्री की जोड़ी के रूप में समकालीन नृत्य (कंटेंपरेरी डांस) करते हुए दिखाया गया है।

'बी-हैप्पी' फिल्म नृत्य-केंद्रित विषय के बारे में है। फिल्म के रिलीज होने की तारीख बाद में घोषित की जाएगी। आधिकारिक कथानक के अनुसार, फिल्म में अभिषेक बच्चन पिता शिव रस्तोगी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

इसमें कहा गया है कि फिल्म 'बी-हैप्पी' ''एकल पिता और उसकी बुद्धिमान एवं मजाकिया बेटी के बीच के बंधन को दर्शाती है। फिल्म में बेटी देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो में प्रस्तुति देने का सपना देखती है।'' डिसूजा ने कहा कि 'बी-हैप्पी' एकल पिता और भारत के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो में अपनी बेटी की प्रस्तुति के सपने को पूरा करने में उल्लेखनीय सफर की दिल को छू लेने वाली कहानी है। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस भावनात्मक कहानी से जरूर जुड़ेंगे।''

नयनतारा ने ग्रीस डायरीज से अपने जुड़वाँ बेटों की झलक पेश की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानीमानी अभिनेत्री नयनतारा ने अपने जुड़वां बेटों उइर और उलगाम के साथ ग्रीस से कुछ मनमोहक तसवीरें शेयर कर पारिवारिक पलों की एक झलक दिखाई है।

नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की। पहली तस्वीर में मां और बेटे के बीच खूबसूरत बंधन को कैमरे में कैद किया गया है। अगली तस्वीर में नयनतारा को अपने बेटे के गाल पर किस करते हुए देखा जा सकता है। नयनतारा की पोस्ट ग्रीस में बेटों के साथ बिताए अनमोल पलों से भरी है। तस्वीरें साझा करते हुए नयानतारा ने लिखा, मेरा दिल। जैसे ही तस्वीरें साझा की गईं, प्रशंसकों ने टिप्पणी अनुभाग में अपनी प्रतिक्रिया दी। गौरतलब है कि नयनतारा और विग्नेश शिवन ने 09 जून, 2022 को चेन्नई में शादी की। यह एक निजी शादी थी जिसमें शाहरुख खान, एआर रहमान, सूर्या और रजनीकांत सहित उनके करीबी दोस्त और चुनिंदा मेहमान ही शामिल हुए थे। इस जोड़े ने 2022 में सरोगेसी के ज़रिए अपने बेटों का स्वागत किया। नयनतारा को आखिरी बार मलयालम सिनेमा में 2022 की फिल्म गोल्ड में देखा गया था, जहाँ उन्होंने पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ अभिनय किया था। उन्होंने पिछले साल शाहरुख खान के साथ जवान में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की और इरावन और अन्नपूर्णी: द गॉडेस ऑफ फूड जैसी तमिल फिल्मों में भी दिखाई दीं।

पूजा भट्ट को लेकर आलिया भट्ट का बयान चर्चा में

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड कलाकार लगातार किसी न किसी वजह से खबरों में बने रहते हैं। कभी फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर, कभी सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट तो कभी अपने बयानों को लेकर ये कलाकार चर्चा का हिस्सा बन जाते हैं। अब एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी बहन को लेकर दिए बयान को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।

आलिया भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। इस इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वह कौन से टीवी शो देखना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान, मुझे नेटफ्लिक्स पर डेटिंग शो 'टू हॉट टू हैंडल' देखने की आदत हो गई और अब यह शो मेरे जीवन का हिस्सा बन गया है।

आप मुझसे कह सकते हैं कि आप इस तरह के शो देखने के बजाय फिल्में देखते हैं, ताकि आप एक्टिंग के बारे में कुछ सीख सकें लेकिन, ईमानदारी से कहूं तो मुझे पैरों पर वैक्सिंग कराते हुए यह शो देखना पसंद है। जब मैं दिन में बहुत थक जाती हूं तो दिन के अंत में यह शो देखना पसंद करती हूं। मैं इस शो को देखने की आदी हूं।

उन्होंने आगे कहा कि जब मेरी बहन पूजा भट्ट ने बिग बॉस ओटीटी में भाग लिया, तो मैं बिग बॉस देखा करती थी। मैं अपनी शूटिंग और काम के दौरान बिग बॉस लाइव देखा करती थी। इसलिए मुझे अपनी बहन के बारे में नई बातें देखने को मिलीं। उनके बारे में नए पहलुओं को समझने का मौका मिला। इसलिए बिग बॉस लाइव देखना बहुत अच्छा था।

आलिया भट्ट अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अक्सर वह अपनी बेटी राहा के कारण चर्चाओं का हिस्सा बन जाती हैं। राहा हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं। जब रणबीर और आलिया ने पहली बार उनका चेहरा सबके सामने दिखाया तो प्रशंसकों ने कहा कि वह अपने दादा दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की तरह दिखती हैं। आलिया भट्ट के काम की बात करें तो वह इस समय अपनी आने वाली फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 11 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।

'जिगरा' के बाद आलिया भट्ट संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। अब ये देखना अहम होगा कि आलिया की फिल्म 'जिगरा' दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाएगी।

हीरो हीरोइन में परेश रावल के साथ काम करने पर दिव्या खोसला ने जताया उत्साह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हीरो हीरोइन में परेश रावल के साथ काम करने पर उत्साह जताया है। सुरेश कृष्ण की बहुप्रतीक्षित फिल्म हीरो हीरोइन में परेश रावल एक निर्देशक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

दिव्या खोसला एक संघर्षशील अभिनेत्री की भूमिका निभा रही हैं, जो अपने पहले ब्रेक की उम्मीद कर रही है, जबकि रावल का किरदार, प्रतिभा को निखारने के लिए जाने जाने वाले एक प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय निर्देशक से प्रेरित है, जो उसे उस सपने को हासिल करने में मदद करता है। दिव्या ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, यह मेरे लिए एक नई शुरुआत की तरह लगता है।

जिस तरह मेरी पिछली फिल्म सावी ने मुझे आत्म-अन्वेषण के एक अनछुए क्षेत्र में ले जाया, उसी तरह यह भी महसूस होता है। मैं अपने अवचेतन के उन क्षेत्रों में जा रही हूँ, जिनके अस्तित्व के बारे में मुझे पता ही नहीं था। परेश जी जैसी क्षमता वाले अभिनेता के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है। निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा कि हीरो हीरोइन तेलुगु में है, लेकिन इसके विषय सार्वभौमिक रूप से गूंजते हैं, क्योंकि यह हर भारतीय फिल्म उद्योग में पाए जाने वाले संघर्षों और जीत को दर्शाता है। यह फिल्म दिव्या खोसला की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है, जो मनोरंजन की प्रतिस्पर्धी दुनिया में नए लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

प्रभु का प्रत्येक नाम अलग-अलग पहलू, विशेषता लिए हुए है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में रविवार को पुच्छिस्सुणं संपुट की बारहवीं गाथा का जाप हुआ। इस मौके पर युवाचार्यश्री ने कहा कि परमात्मा की स्तुति का यह पुच्छिस्सुणं संपुट जाप बहुत शक्तिशाली है। इस जाप का स्वाध्याय के समय शुद्ध उच्चारण के साथ स्तुति करनी चाहिए। जीवन में कैसी भी नकारात्मकता है, उसे दूर करने में यह सहायक है। कोई भी काम करना है, उसके पहले इसका जाप करना चाहिए। यह हमारे पास में शक्ति स्वरूप है। आज विडम्बना यह है कि हमारे पास, हमारे साथ आगमों की शक्तिशाली ऊर्जा रही हुई है, उसका हम कितना स्वाध्याय कर पाते हैं। हमने अपनी साधना को कभी गंभीरता से नहीं लिया।

उन्होंने कहा आज हमने 12वीं गाथा का जाप किया। जो सब पर्वतों में श्रेष्ठ है, ऐसे मेरु पर्वत पर जाना आसान नहीं है। मेरु पर्वत का प्रकाश दूर- दूर तक दिखाई देता है। इसके लिए अनेक शब्दों का प्रयोग प्रयुक्त होता है। वैसे ही हमारे प्रभु है। उनके प्रत्येक नाम अलग-अलग पहलू, विशेषता को बताते हैं। जैसे वीर की उपमा तब मिली, जब मित्रों के साथ एक सांप को एक तरफ जाकर छोड़ दिया। उनके मित्रों ने उनको वीर नाम से बुलाया। संगम देव और शूलपाणि जैसे यक्ष के उपसर्गों को शांत किया। वीर वह, जो अपने को नुक्सान पहुंचाने वाले को हरा देता है। महा वीर वह, जिसने चण्डकौशिक जैसे दुष्ट को शांत किया। नाम के अनुसार हमारे भीतर में भाव आ जाए तो हमारा बेड़ा पार हो जाए। किसी भी जिज्ञासा का समाधान वे देते थे, ऐसे प्रभु महावीर थे। प्रभु महावीर योग्य, समुचित समाधान देने वाले थे, इसलिए सन्मति कहलाए। ऐसे प्रभु कंचन मठ बन गए। ऐसे सिद्धांत, निष्कर्ष उनके थे कि वहां पहुंचना मुश्किल होता। उनका आभामंडल, उनकी ज्ञान साधना का तेज, उनके वचनों का प्रभाव इतना था कि जो समाधान वे देते थे, वह पत्थर की लकीर होता था। प्रभु के शब्द अपने आप में सिद्धांत होते थे, जिनको सुनकर, जिनके अर्थ समझने से अपने आप भीतर में रही हुई भ्रांतियां दूर हो जाती।

उन्होंने कहा परमात्मा इस भू-मंडल पर प्रकाश के पुंज के समान थे। उस प्रकाश के समान कि प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने के लिए मार्ग सुझे। हालांकि चलना तो हमें ही पड़ेगा। हमें पुरुषार्थ करना है, वह प्रकाश पुंज है, समझ है लेकिन पुरुषार्थ करने की तैयारी नहीं। अगर वह इस प्रकाश में आ जाता है तो उसके प्रभाव से प्रत्येक व्यक्ति का मन आगे बढ़ता है।

उन्होंने कहा संयम के लिए मजबूती ज्यादा चाहिए। वह परमात्मा के वचनों से आती है। अगर अपने भावों को स्वीकार कर लें, भूलों को स्वीकार कर लें तो वह परमात्मा के वचनों का प्रभाव है। अनेक शब्दों से अनेक स्वरूपों को समझा जाता है। यह गाथा संपूर्ण जीवन में अनेक सकारात्मकताएं लाने वाली है। यह हमारी आत्मा को शुद्ध रखने वाली, कर्मों की निर्जरा कराने वाली है।

इस दौरान पूना, मुंबई, इचलकरणजी, चाकण, अहमदनगर, चिंचवाड़, नासिक छत्तीसगढ़ आदि अनेक क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। रविवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ असावरी थे। आगामी 1 से 5 सितंबर युवाचार्यश्री का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

कपड़े वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में एग्मोर स्थित होप फिसयाट्रिक शेल्टर में 21 सितम्बर को मानसिक बीमारी से ग्रस्त 50 महिलाओं को नए कपड़ों का वितरण महावीर इंटरनेशनल नार्थ टाउन लेडीज सेन्टर द्वारा किया गया। इस मौके पर सेन्टर की चेयरपर्सन ललिता सबदडा, कोषाध्यक्ष प्रेमलता भंडारी, अनिता भंसाली, सीमा खींवसरा, रचना बरडिया आदि ने सेवाएं प्रदान की।

तेरापंथ जैन विद्यालय पट्टालम का वार्षिक खेल दिवस आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ जैन विद्यालय, पट्टालम, चेन्नई का 26वॉ खेल दिवस नेहरू स्टेडियम में प्रातःकालीन बेला में दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईष्ट वंदना से किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों व मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। छात्रों द्वारा भव्य मार्चपास्ट किया गया। खेल सचिव शशिप्रभा ने मशाल प्रज्ञवलित की। मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र प्रताप यादव आईएएस, प्रिंसीपल सेकेट्री टू गवर्मेन्ट हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टैक्सटाइल एंड खादी डेवलेपमेंट गवर्मेंट ऑफ तमिलनाडु का सम्मान विद्यालय कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा किया गया। स्वागत भाषण प्रधानाचार्य श्रीमती आशा क्रिस्टी ने दिया। मुख्य अतिथि ने विद्यालय के राजकीय स्तर पर प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया। कप्तानों ने निष्पक्ष जाँच के लिए शपथ ग्रहण ली। पश्चात् सन् 2024 के खेलों की उद्घोषणा की गई। चारों हाउस के बच्चों ने ब्लिंग शो का अविस्मरणीय प्रर्दशन किया। मुख्य अतिथि ने शिक्षकों का आभार व्यक्त किया व टीम वर्क की सराहना की। विद्यालय के होनहार जोशीले छात्रों द्वारा गणपति बप्पा मोरया पर बड़ा ही जोशिला डांस किया। छात्रों ने कठिन से कठिन योग बड़ी ही आसानी से किये। बच्चों ने प्राइमरी ड्रिल में भविष्य के ओलपिंक प्लेयरस को दर्शाया। मार्शल आर्टस में छात्रों, शिक्षको और माताओं का अद्भूत प्रदर्शन देखने को मिला। बच्चों ने अटलेटिक इवेन्टस में भाग लिया। प्रथम बार मैनेजमेंट इवेन्टस दर्शाकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया गया। पेरेन्टस इवेन्टस में अभिभावकों ने भाग लेकर छात्रों की खुशी में चार चाँद लगा दिए। मध्यान्ह मुख्य अतिथि का स्वागत व्यक्तव्य से विद्यालय महासंवाददता संजय भंसाली ने देते हुए मुख्य अतिथि की समाज को दी हुई सेवाओं से सभी को अवगत करवाया। मुख्य अतिथि एक्सवीर तालेवान सारुगुनम, एवं आईपीएल प्लेएर सेलेक्टर रांजी इयडर ड्यूलीप ट्रॉफी 2023-25 विजेता का स्वागत विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों ने किया। मुख्य अतिथि ने प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया। वेलकम डाँस पर बच्चों ने पुराने एवं नये गानों पर ठुमकती छात्राएँ रंग बिरंगी पोशाकों में बहुत ही मनमोहन प्रदर्शन किया। गर्ल्स पिरामिड में कठिन से कठिन अभ्यास सहजता से किए। जिमनास्टिक और बॉय पिरामिड के छात्रों ने अद्भुत प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। क्लोसिंग मार्च पास्ट करके छात्रों का उत्साह चरम सीमा पर था।

पी.टी. विभाग प्रमुखा श्रीमती कविता के द्वारा वार्षिक खेल सम्बंधित गतिविधियों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि ने बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाते हुए उनके टीम वर्क की प्रशंसा की। बैनड के बच्चों ने अपनी कला की सुंदर प्रस्तुति दी। इन्डोर व आउटडोर खेलों में प्रथम व द्वितीय आए छात्रों को पारितोषिक किया गया। अंत में कार्यक्रम के प्रति आभार प्राइमरी इंचार्ज युवरानी ने किया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरपुरु में मां दुर्गा भक्त मंडल द्वारा 1378वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन रामदेव बाबा मन्दिर कुमार नगर में हुआ। मन्दिर के पुजारी रामाकांत द्वारा गणेश वन्दना करके सुन्दरकाण्ड पाठ चालू किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंडल के अध्यक्ष अशोक शर्मा और उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने सभी भक्तों को सात्विक विचारों की प्रेरणा देते हुए आभार व्यक्त किया।

साधना से आत्मा का कचरा साफ हो सकता है : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकार पेट उपनगर में स्थित जैन भवन में रविवार को अपने प्रवचन में साध्वी श्री राजमती जी महाराज सा ने कहा कि केवल नम्र व्यक्ति ही झुक सकता है, ओछा व्यक्ति कभी भी नहीं झुक पाता है। उन्होंने कहा कि सभी योनियों में केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो कि अधिक से अधिक पापों का बन्धन कर सकता है और मनुष्य ही ज्यादा से ज्यादा कर्मो को क्षय कर सकता हैं। उन्होंने बताया कि मनुष्य साधना से आत्मा का कचरा साफ कर सकता हैं। साध्वी ने कहा कि मनुष्य की पूंजी, जमीन और रिश्तेदारी सभी अस्थायी होती है और वे मनुष्य की आत्मा का कल्याण नही कर सकती हैं।

इससे पूर्व साध्वीश्री विनयश्रीजी ने कहा कि भगवान महावीर की वाणी को पानी की तरह गटागट नहीं ग्रहण करना चाहिए बल्कि गर्म पानी की तरह धीरे धीरे आत्मा में ग्रहण करना चाहिए ताकि वो आत्मा में स्थाई रूप से निवास कर उसे निर्मल बना सके। साध्वीश्री ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी आत्मा को जागृत रखना चाहिए। अपने उद्बोधन में एक अन्य सन्दर्भ में साध्वी ने कहा कि आत्मा को जगाने वाले शूरवीर होते हैं, कायर व्यक्ति आत्मा को जागृत नही कर सकते हैं। क्षमा याचना को एक वीर पुरुष की पहचान बताते हुए साध्वी विनयश्रीजी महाराज ने कहा कि केवल वीर पुरूष ही क्षमा दे और मांग सकते हैं, और क्षमा याचना करने से कोई व्यक्ति छोटा नही हो जाता है।

उपनगर शेनाय नगर के दीपचन्द कोठारी, पोरूर के रमेश कांकलिया आदि श्रावक प्रवचन में उपस्थित हुए। सुश्री दीपिका जैन दीक्षा महोत्सव समिति की एक आवश्यक बैठक भी हुई, जिसमें दीक्षा संबधित पत्रिकाओं का मंगलवार विमोचन किया जाएगा। संचालन संजय पींचा ने किया।

माहेश्वरी नवयुवती संगठन ने आयोजित की 'फंताक्षरी'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत माहेश्वरी नवयुवती संगठन द्वारा अंताक्षरी 'फंताक्षरी' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रारंभ में कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक सुनील बजाज, सीतादेवी राठी, सिद्धार्थ जैन एवं माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, नवयुवती सदस्य वृंदा बागडी, रितू चितलांग्या आदि ने मिलकर भगवान महेश की पूजा कर दीप प्रज्वलन किया। यह कार्यक्रम में पहले 5 दिनों तक वाट्सएप्प पर रोज़ सुबह शाम अंताक्षरी के दो राउंड खेले गए। ग्रेड फिनाले फ़ाइनल राउंड शनिवार को माहेश्वरी भवन मे आयोजित किया गया। नवयुवती संगठन की रितु चितलांग्या, रजनी जाजू, श्वेता झंवर, पूरवी माहेश्वरी, मधु भूतड़ा, राधिका तोषनीवाल ने आदि ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम का संचालन मृणाल राठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वृंदा बागडी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

याद बहुत आते हैं पापा

जब होता है मन रोने का, याद बहुत आते हैं पापा,
मौका है सपने बोने का, याद बहुत आते हैं पापा।

जब भी रोती है शहनाई, देख विदाई के मंज़र को,
अवसर होता है खोने का, याद बहुत आते हैं पापा।

आता है जब वक़्त स्वयं के, बच्चों के पढ़ने की ख़ातिर,
काँधे पर बस्तर ढोने का, याद बहुत आते हैं पापा।

ज़िक्र हमेशा ही होता है, व्यंजन का खाने वालों में,
मूल्य नहीं होता दोने का, याद बहुत आते हैं पापा।

जब भी शोषण उत्पीड़न का, उठता है मुद्दा बस्ती में,
दाग गरीबों के धोने का, याद बहुत आते हैं पापा।

जिन लोगों में दिखने लगता है, ये माद्दा गाँव-शहर में,
हर ग़म में शामिल होने का याद बहुत आते हैं पापा।

नींद नहीं आती रातों में, मन करने लगता है 'नवरंग',
छिपकर गोदी में सोने का, याद बहुत आते हैं पापा।

■ माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

जालौर समाज के सामूहिक क्षमापना सम्मेलन में तपस्वियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जालौर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना स्नेह मिलन एवं तपस्वियों का सम्मान कार्यक्रम जयनगर स्थित पार्श्व शांति भंडारी भवन में किया गया। संघ के अध्यक्ष गौतम गांधी, मंत्री शांतिलाल कोठारी, दिनेश मेहता, भोपालचंद सोनवाड़िया, प्रकाश लूनिया, अशोक गांधी, सुमतिकुमार राठौड़, कुशालचंद गांधी, सुरेश सोनेगरा, मोहनलाल राठौड़, विनोद राठोड़ ने दीप प्रज्ज्वलित किया।अध्यक्ष गौतम गांधी ने सभी का स्वागत किया। संचालन करते हुए भोपालचंद सोनवाडिया ने स्नेह मिलन के लाभार्थी मोहनलाल विनोदकुमार राठौर परिवार का सम्मान किया। कार्यक्रम में सिद्धितप, वर्षीतप, ग्यारह दिन उपवास एवं अठाई की बड़ी तपस्या के तपस्वियों का सम्मान रजत स्मृति चिन्ह से किया। सोनवाडिया ने जालौर गौशाला की जानकारी दी और सहयोग करने की अपील की। भेरू भंडारी विनोद राठौड़ आदि ने जीवदया में सहयोग दिया। आयोजन में जालौर जैन युवा संघ, जालौर जैन महिला मंडल एवं विभिन्न सदस्यों ने अनेक व्यवस्था में सहयोग दिया। संघ के आगामी दीपावली स्नेह मिलन का लाभ गुलाबचंद सरेमल बोहरा परिवार ने लिया। सचिव शांतिलाल कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्य परिवार की उपस्थिति थी।

हनुमंतनगर में मनाई गई संतश्री सौभाग्यमुनि की पुण्यतिथि व याद किया गया वीर महाराणा प्रताप को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वी धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी के सान्निय में मेवाड़ के वीर सपूत महाराणा प्रताप के प्रेरक जीवन इतिहास की यशोगाथा पर आयोजित मायड़ भाषा में 'प्रताप की शूरवीरता' पर विशेष प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही श्रमण संघीय श्री सौभाग्यमुनिजी का चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस तप-त्याग सामायिक साधना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने प्रवचन सभागार में जब 'राणा प्रताप' का बड़ा ही देश भक्ति का शौर्य जगाने वाला. अपनी जान पर खेलकर कई बार अकबर आदि अनेक मुगल सम्राटों के साथ युद्ध करते हुए कई संकटों का सामना करते हुए भी बड़े ही शूरवीरता के साथ अपनी भारतमाता-मेवाड़ की धरती की रक्षा की थी, वो प्रेरक इतिहास की घटना का जब मायड़ भाषा में सुनाया तो जिसे पूर्ण तन्मयता के साथ सुनकर धर्मसभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुगण भाव विभोर हो गए।

साध्वीश्री ने श्रमण संघीयश्री सौभाग्यमुनिजी की चतुर्थ पुण्य तिथि पर उनके गुणानुवाद करते हुए कहा कि सौभाग्यमुनि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व प्रभावशाली था। उनकी बचपन में ही धार्मिक और पारमार्थिक संस्कार अपनी माता से प्राप्त हुए थे। व्यावहारिकता के संस्कार अपनी बड़ी बहन से प्राप्त हुए थे। बचपन से ही आप बड़े आदर्श विचारों वाले दृढ़ और निडर प्रकृति के थे। बचपन में ही वैराग्य की प्राप्ति अपनी बड़ी बहन के विचारों से हो गई। उनका दृढ़ वैराग्य और दृढ़ संकल्प ने उन्हें परमार्थ पद का महान पथिक बना दिया। संकटपूर्ण, कष्ट के वातावरण में भी वे घबराते नहीं थे। आपने मात्र 13 वर्ष की छोटी सी उम्र में संयम को अंगीकार करते हुए स्व-पर का कल्याण किया। आपने हमेशा श्रमण संघ को मजबूत और जोड़ने के काम किए। समारोह कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार कल्याणसिंह, जयसिंह, सुभाषचंद बुरड़ परिवार का संघ की ओर से हनुमंतनगर संघ के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। संचालन संघ के मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

खिवांदी निवासियों के क्षमापना व स्नेह मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के खिवान्दी कर्नाटक भाईपा का वार्षिक क्षमापना एवं स्नेह मिलन समारोह आदि संस्कार धाम एवं पार्श्व लब्धि धाम में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सबसे पहले परमात्मा आदिनाथ दादा के दरबार में परमात्मा का स्नात्र महोत्सव मनाया गया, तत्पश्चात पार्श्व लब्धि धाम में साधारण सभा का आयोजन हुआ जिसमें क्षेत्र के सभी उपस्थित तपस्वियों का सम्मान किया गया। सभा में आगामी तीन वर्ष के लिए वरिष्ठ सदस्यों की तीन सदस्यीय कमेटी, पाँच सलाहकर एवं ग्यारह कमेटी सदस्य नियुक्त किए गए। पूर्व कमेटी के सभी पदाधिकारियों ने क्षमायाचना की। संगीतकार कमलेशकुमार एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.